संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शुक्रवार, 20 अक्टूबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive



नवरात्रि के छठे दिन माता के अलौकिक स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। मां कात्यायनी स्वरूप में माता शेर पर सवार, सिर पर मुकुट सुशोभित है। माता की चार भुजाएं हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 281 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

## फास्ट न्यूज

### कैश फॉर जॉब: सेंथिल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

**नई दिल्ली**: कैश फॉर जॉब मामले में गिरफ्तार तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट उनकी याचिका पर 30 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। आज सेंथिल बालाजी की ओर से पेश वकील ने जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मामले को उठाते हुए जल्द सुनवाई की मांग की। इसके बाद कोर्ट ने 30 अक्टूबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। सेंथिल बालाजी ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने सेंथिल बालाजी को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

### संजय सिंह की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

**नई दिल्ली**। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने संजय सिंह की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि संजय सिंह अब न्यायिक हिरासत में हैं।

# 'बिगड़ती सुरक्षा स्थिति चिंताजनक'

= पीएम मोदी ने की फलस्तीन के राष्ट्रपति से बात, इस्राइल-हमास जंग के बीच मुद्दों पर हुई चर्चा

**संवेदना**

8 पीएम मोदी ने गाजा के अल अहली अस्पताल में नागरिकों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त की

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात की। इस्राइल-हमास जंग को लेकर दोनों के बीच कई मुद्दों पर बात हुई। पीएम मोदी ने ट्ववीट कर कहा कि फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात की। गाजा के अल अहली अस्पताल में नागरिकों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त की। हम फलस्तीनी लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजना जारी रखेंगे। क्षेत्र में आतंकवाद, हिंसा और बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर अपनी गहरी चिंता साझा की। इस्राइल-फलस्तीन मुद्दे पर भारत की लंबे समय से चली आ रही सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया।

**सात अक्तूबर हमास ने बोला था हमला**: इससे पहले सात अक्तूबर को गाजा पट्टी से आतंकी समूह हमास द्वारा इस्राइल पर पांच हजार रॉकेट दागे गए थे। इसके बाद से दोनों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

इस्राइल और हमास के बीच भीषण युद्ध जारी है। भारत ने इस आतंकी हरकत की कड़ी निंदा की थी।

**अल-अहली अरब अस्पताल पर बमबारी में गई थी 500 जानें**: इस्राइल-हमास युद्ध के बीच 17 अक्तूबर को गाजा पट्टी में अल-अहली अरब अस्पताल पर बमबारी की गई थी। हमले के आरोप इस्राइली सेना पर लगाए गए थे, जिसे इस्राइल ने सिरे से खारिज कर दिया था। बाद में यह भी दावा किया गया कि हमले की वजह फलस्तीन इस्लामिक जिहाद की मिसाइल का मिसफायर होना बताया गया। इसमें कम से कम 500 लोगों की मौत हुई थी।

**10 अक्तूबर को नेतन्याहू से फोन पर की थी बात**: तनाव भरी स्थिति के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और नरेंद्र मोदी के बीच 10 अक्तूबर को फोन पर बातचीत हुई थी।

इस दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हमले की वर्तमान स्थिति पर खुलकर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नेतन्याहू को आश्वासन दिया था कि भारत इस कठिन समय में इस्राइल के साथ खड़ा है।

**नेतन्याहू से बात पीएम मोदी ने क्या कहा था?**: नेतन्याहू से बात के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू को उनके फोन कॉल और मौजूदा स्थिति पर अपडेट प्रदान करने के लिए धन्यवाद देता हूं। भारत के लोग इस मुश्किल समय में इजरायल के साथ मजबूती से खड़े हैं।

**आतंकी हमले की निंदा की थी**: पीएम मोदी ने आतंकवाद पर भी जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भारत दृढ़ता से आतंकवाद के हर रुप की निंदा करता है। इस हमले में मारे गए निर्दोष पीड़ित और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं।



## 'इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष पर सरकार का रुख निराशाजनक'

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
**अखिल** भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष पर केंद्र सरकार के रुख की आलोचना की। उन्होंने इसे बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि संघर्ष पर भारत का शुरू से ही काफी अलग रुख रहा है।

**सोशल मीडिया पर की आलोचना**: कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया फेसबुक पर मलयालम में पोस्ट कर कहा कि भारत फलस्तीन के मुद्दे का समर्थन करता था और उनके अधिकारों की वकालत करता था। उन्होंने कहा कि हालांकि, जब किसी आक्रामकता या जवाबी हमले की बात आती है तो भारत इसकी कड़ी निंदा करता है। उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भारत का मौजूदा रुख युद्ध को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह अतीत की तरह ही गरिमा और सम्मान के साथ इस मामले पर भी अपने विचार रखें। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने गाजा में एक अस्पताल पर हमले की निंदा की, जिसमें 500 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

# मैं सीएम पद छोड़ना चाहता हूं मगर...

**स्पष्ट किया**

8 कुछ तो कारण होंगे कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मुझे बार-बार सीएम बना रहे हैं: गहलोत



**टीम एक्शन इंडिया/जयपुर**
**विधानसभा** चुनावों को लेकर राजस्थान के टिकटों की सूची फाइनल करवाने के लिए दिल्ली बैठे सीएम अशोक गहलोत ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर सियासी हलकों में चल रहे तमाम सवालों के जवाब दिए। प्रदेश में चौथी बार सीएम बनने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि मैं सीएम पद छोड़ना चाहता हूं, लेकिन यह पद मुझे नहीं छोड़ रहा है और शायद छोड़ेगा भी नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ तो कारण होंगे कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मुझे बार-बार सीएम बना रहे हैं। राजस्थान में उनकी सरकार से बगावत करने वाले सचिन पायलट और उनके विधायकों को टिकट दिए जाने के सवाल पर बोले-अभी सिर्फ जीत क्राइटेरिया है बाकी सब हम भूल चुके हैं। उनके साथ जो गए थे उनके टिकट सब क्लीयर हो रहे हैं। एक टिकट पर भी मैंने ऑब्जेक्शन नहीं किया।

**सीएम के खिलाफ कोई आरोप नहीं**: प्रदेश में एंटीइनमबेंसी के चलते टिकट काटे जाने के सवाल पर गहलोत ने कहा सीएम के खिलाफ कोई आरोप नहीं है। विधायकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप और एंटीइनकमबेंसी भी है, लेकिन टिकट तब कटते हैं, जब वहां विकल्प हों। मैंने एक बात कही कि सरकारें बदलने का भाजपा ने नया मॉडल अपनाया है यह बहुत खतरनाक है।

## शरद पवार को समझना चाहिए कि देशहित से बड़ा कुछ नहीं: गडकरी

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
**केंद्रीय** मंत्री नितिन गडकरी ने इजरायल और आतंकी संगठन हमास युद्ध पर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं को यह समझना चाहिए कि राष्ट्रहित और राष्ट्रीय सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं है। इसे कभी भी राजनीतिक विचारों से प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को समझते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता है।

## 'त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें रहेंगी स्थिर'

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**
**केंद्रीय** खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने गुरुवार को कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों को स्थिर रखने के लिए हाल ही में कुछ फैसले लिए हैं। खाद्य सचिव ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते भरोसा दिलाया कि इस त्योहारी सीजन के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहेंगी। उन्होंने कहा कि हम त्योहारी सत्र में (खाद्य वस्तुओं की कीमतों में) किसी भी तरह की बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। संजीव चोपड़ा गेहूं, चावल, चीनी और खाद्य तेलों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की घरेलू आपूर्ति और कीमतों के बारे में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। खाद्य सचिव ने बताया कि देश के कई भागों में गन्ना की पेराई शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले 2-3 हफ्तों में चीनी का नया भंडार आना शुरू हो जाएगा।

# इन्वेस्टर्स समिट के लिए अब तक 54 हजार करोड़ से अधिक के हुए एमओयू : मुख्यमंत्री

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड में आगामी दिसम्बर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए अब तक संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और दिल्ली में कुल मिलाकर अब तक चौवन हजार पांच सौ पचास करोड़ (54550 करोड़) के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को दुबई दौरे से लौटने के बाद दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने जो भी नीतियां बनाई हैं, निवेशकों, उद्योगों एवं उत्तराखंड के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई हैं। राज्य सरकार



का प्रयास है कि 08-09 दिसम्बर को देहरादून में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट तक हुए सभी करारों को धरातल पर उतारने के कार्य को अंतिम रूप दे रही है।
उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत पहले लंदन, बर्मिंघम, दिल्ली में और अभी दुबई और अबू धाबी में विभिन्न निवेशक समूहों के साथ बैठकें हुई। पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, फार्मा, कृषि, एग्रो के क्षेत्र में निवेशकों से काफी करार हुए हैं। निवेशकों का उत्तराखंड आने के लिए और निवेश के लिए, मन में आकर्षण है। हजारों करोड़ के निवेश पर दुबई और अबू धाबी में करार के अलावा बहुत प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। देश के अन्य शहरों में भी निवेशकों के साथ संवाद और रोड शो किये जायेंगे।
उन्होंने बताया कि विभिन्न बैठकों में जो भी सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सुझावों पर भी अमल किया जायेगा। जो भी करार हुए हैं और प्रस्ताव आये हैं, राज्य के लिए कौन से उपयोगी हैं और भविष्य में फायदेमंद हो सकते हैं, उनका पूरा आंकलन कर आगे के कार्य किये जायेंगे। निवेश के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले और प्राथमिक सेक्टर को मजबूत बनाने वाले प्रस्तावों एवं करारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जायेगा।
मुख्यमंत्री ने बताया कि दो दिवसीय यूएई दौरे के दौरान कुल मिलाकर पंद्रह हजार चार सौ पचहत्तर करोड़ (15475 करोड़) के इन्वेस्टमेंट एमओयू किए गए। इसके तहत पहले दिन दुबई में 11925 करोड़ एवं दूसरे दिन अबू धाबी में 3550 करोड़ के इन्वेस्टमेंट एमओयू शामिल हैं।

**अब तक 54 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू -**
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अब तक संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन व दिल्ली में कुल मिलाकर अब तक चौवन हजार पांच सौ पचास करोड़ (54550 करोड़) के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं।

# बद्री-केदार समिति अध्यक्ष ने किए तिरुपति बाला जी के दर्शन

बालाजी के दर्शन

8 उन्होंने तिरुपति मंदिर की पूजा, भोग,दर्शन, भंडारा,प्रसाद आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने गुरुवार को तिरुपति (आंध्रप्रदेश) पहुंच कर भगवान वेंकटेश्वर तिरुपति बालाजी के दर्शन किये। इससे पूर्व उन्होंने देवी पद्मावती मंदिर (माता लक्ष्मी जी मंदिर) में पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने तिरुपति मंदिर की पूजा, भोग,दर्शन, भंडारा,प्रसाद आदि व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उनके साथ



बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी तिरुमाला तिरुपति पहुंचे।
उन्होंने मां पद्मावती और भगवान तिरुमाला तिरुपति बालाजी के दर्शन किये।
बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् पदाधिकारियों और सेवादारों से मंदिर व्यवस्थाओं के बाबत चर्चा की। देवस्थानम के पदाधिकारियों को बताया कि किस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और उत्तराखंड प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखंड के देव धामों का कायाकल्प किया जा रहा है।

## रग्बी इंटर डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप 5 नवंबर को

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
सब जूनियर बालक-बालिका रग्बी इंटर डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप अंडर 14 का पहली बार आयोजन ग्राम गढ़मीरपुर में होगा। गढ़मीरपुर रग्बी क्लब के कोच राहुल गुप्ता ने बताया कि उत्तराखंड रग्बी टीम के कोच आयुष सैनी एवं फिटनेस ट्रेनर आकाश सिंह राठौड़ के मार्गदर्शन में चैंपियनशिप की तैयारी की जा रही है, जिसमें जिले के खानपुर, बहादराबाद,भगवानपुर, लक्सर, रुड़की ब्लॉक एवं जिले के अन्य रग्बी क्लब प्रतिभाग करेंगे। यह चैंपियनशिप 5 नवंबर को आयोजित होगी। उत्तराखंड रग्बी संगठन द्वारा प्रमाणित गढ़मीरपुर रग्बी क्लब को इस बार चैंपियनशिप करने का मौका दिया गया है।

# कैल मंदिर में गोलज्यू और मां दुर्गा की मूर्तियों की हुई स्थापना

नवरात्रि पर्व

8 -गांव की महिलाओं ने कैल काली मंदिर से दोनों मूर्तियों के साथ कलश यात्रा निकाली गई।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के देवाल विकास खंड के मिंझ्रा परिवार के पैतृक गांव कैल में नवरात्रि के पांचवें दिन गुरुवार को न्याय के देवता गोलज्यू और मां दुर्गा की मूर्तियों को प्राण प्रतिष्ठ२ा कर स्थापित किया गया।
शरदीय नवरात्र के पांचवें दिन मां भगवती के पंचम रूप स्कंदमाता की पूजा अर्चना की गई। गांव की



महिलाओं ने कैल काली मंदिर से दोनों मूर्तियों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। न्याय के देवता गोलज्यू और मां दुर्गा की मूर्तियों को त्रिवेणी संगम में स्नान करवा कर कलश यात्रा कैलपाटा सेरा में स्थित गोलज्यू के मंदिर पहुंची। मंदिर में पंडित उमाशंकर जोशी ने वेदपाठी मंत्रोच्चारण कर हवन यज्ञ कर गिरीश मिश्रा को संकल्प दिला कर नवीन चन्द्र और प्रेमा देवी के हाथों से मूर्तियों को प्राण प्रतिष्ठा कर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया गया है। मां दुर्गा की मूर्ति को भी मंदिर में विराजमान किया गया। दोनों मूर्तियों को गांव के सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश मिश्रा की ओर से अपने माता-पिता और भाई की स्मृति में स्थापित किया गया है।
इस मौके पर तारा देवी,दीपक चन्द्र, सन्तोष, विमला, मदन मिश्रा, मीना मिश्रा, हेमा देवी, मंजू, बसंती, किरन, रंजना, भावना, हेमा, गीता देवी, देवकी, दीपा, हरिनंदन आदि मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### सिटी बस का चालान काटकर मोटरसाइकिल दिखाता है यातायात विभाग कर्मी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भ्रष्टाचार के लिए यातायात विभाग कुछ भी कर सकता है। इसका प्रमाण यातायात उप निरीक्षक योगेंद्र कुमार का किया गया कार्य एवं व्यवहार है।
उन्होंने सिटी स्कूटर के चालान के नाम पर बस वाहन चालकों से वसूली करते हैं। यह शिकायत देहरादून महानगर सिटी बस सेवा महासंघ के अध्यक्ष विजयवर्धन डंडरियाल ने की है। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भेजे पत्र में कहा है कि उप निरीक्षक योगेंद्र कुमार कैसे सिटी बस वाहन स्वामियों का उत्पीड़न कर रहा है। इनका कोई भी चालान 2500 या 3000 से कम नहीं है, यह केवल एक धारा 179 आदेशों की अवज्ञा का पालन ना करना का उपयोग हर चालान करते हैं, जबकि इस धारा का अधिकतर उपयोग किसी स्थान के प्रतिबंधित होने पर उसके उल्लंघन करने पर ज्यादा किया जाता है। सिटी बस को परिवहन विभाग से अधिकृत स्टेज कैरिज परमिट मुख्य मार्ग के हालटिंग स्टेशन में रोककर फुटकर सवारियां चढ़ा व उतार सकने के लिए दिया गया है।
उप निरीक्षक योगेन्द्र कुमार बल्लूपुर चौक के पास एक सिटी बस का चालान नो स्टॉपिंग में 1000 रुपये और आज्ञा की अवहेलना पर 2000 रुपये का चालान बस नं यूके07एनजे -2464 का काटा गया। बस मालिक द्वारा चालान को देखने पर पता चला कि यह तो मोटरसाइकिल/स्कूटर का चालान काटा गया है और गाड़ी नं - यूके07एन/-4268 पाया गया है। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार का कोई भी सिटी बस का चालान नो पार्किंग 500 रुपये ना होकर 2500 से 3000 तक का तो होता ही है ,यह सब वर्दी के अधिकार का दुरुपयोग है।

### रजिस्ट्री फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड केपी सिंह की सहारनपुर जेल में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पिछले दिनों पुलिस केपी सिंह को बी वारंट पर देहरादून लेकर आई थी। इसके बाद उसे वापस सहारनपुर जेल भेज दिया गया था। केपी सिंह कई बड़ी जमीनों के फर्जीवाड़े में शामिल रहा है।
सहारनपुर जेल में बंद देहरादून में हुए रजिस्ट्री फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड केपी सिंह की गुरुवार को मौत हो गई।

# ब्लू राइडर साइकिल क्लब, ऋषिकेश के सदस्य ने साइकिल यात्रा कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश




ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
पर्यावरण बचाओ संदेश को लेकर ब्लू राइडर साइकिल क्लब के सदस्य गुरुदेव कुकरेती ने ऋषिकेश से गंगासागर तक लगभग 1850 किलोमीटर से अधिक यात्रा के करने और कुलदीप असवाल, जन्मेजय तोमर की केदारगंगोत्री की साइकिल यात्रा पूरी करने पर ब्लू राइडर साइकिल क्लब ने स्वागत समारोह के दौरान फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया।
गुरुवार को ऋषिकेश हरिद्वार मार्ग पर स्थित वेडिंग प्वाइंट में स्वागत समारोह के दौरान साइकिलस्ट गुरुदेव कुकरेती ने कहा कि गंगा सागर यात्रा में 205 कोबरा बटालियन सीआरपीएफ के सीओ कैलाश और सीआरपीएफ कमांडो नितिन ने जगह जगह पर उनकी रहने खाने की व्यवस्था की, जिसके लिए वह पूरे बटालियन का आभार व्यक्त करते हैं।
कुलदीप असवाल ने कहा कि युवा साइकिल अपनाएं और नशे से दूर रहें, तभी हमारा समाज स्वस्थ रहेगा।
ब्लू राइडर अध्यक्ष ज्योति प्रकाश शर्मा और एडवोकेट राकेश सिंह ने बताया कि ब्लू राइडर साइकिल क्लब के सदस्य गुरुदेव कुकरेती, कुलदीप असवाल, जन्मेजय तोमर पर्यावरण संरक्षण की भावना को लेकर लंबी दूरी की साइकिल यात्रा पूरी कर लौटे हैं, जिन्हें रास्तों में कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा। हम राज्य सरकार और केंद्र सरकार से अलग साइकिल लेन का निर्माण की मांग करते हैं, ताकि कम दूरी पर जाने वाले हर व्यक्ति साइकिल का इस्तेमाल करें, जिससे पर्यावरण शुद्ध होगा और सब स्वस्थ रहेंगे।
इस मौके पर ब्लू राइडर के सदस्य संजय गुप्ता, शैलेन्द्र बिष्ट, संजीव चौहान, अब्दुल रहमान, बलबीर जैसल, सुनील प्रभाकर, संजय शर्मा, यशपाल चौहान, सरदार बूटा सिंह, पंकज ब्रेजा, अजय प्रजापति, प्रकाश डोभाल, चंद्र नेगी, अशोक नेगी, नटवर श्याम, कमलेश डंगवाल, संजीव गुप्ता, विकास अग्रि, योगेश पाल, नरेन्द्र कैंतुरा आदि उपस्थित थे ।

## पूर्ति विभाग ने होटलों और ढाबों से वसूला 11 हजार का जुर्माना

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
नरेन्द्र नगर के खाड़ी और गजा कस्बे में घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों का व्यापारिक प्रतिष्ठानों में उपयोग किये जाने पर पूर्ति विभाग ने गुरुवार को कार्रवाई की।
क्षेत्रीय खाद्य पूर्ति अधिकारी गरवीन भट्ट और पूर्ति निरीक्षक गजा रितु मैठाणी ने होटलों और ढाबों पर छापा मारकर 10 लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 11 हजार रुपये का अर्थ दंड वसूला। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि गजा कस्बे से 6 और खाड़ी से 5 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

# 18 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मुकदमा दर्ज

8 पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने भारी मात्रा में गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।
पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।
एसएसपी के निर्देश पर नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकार ज्वालापुर ने



ज्वालापुर थाना क्षेत्र में अलग-अलग टीमों का गठन किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान आज पुलिस जटवाड़ा से दो आरोपितों को गांजे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से 18 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम प्रवीण कुमार पुत्र नरेश कुमार निवासी ग्राम जाटोली कंकरखेड़ा जिला मेरठ उत्तर प्रदेश व विशाल पुत्र स्व. रविंद्र कुमार निवासी ग्राम हसौली शाहपुर जिला मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश बताए।

# रामलीला मंचन : रावण ने छल से किया माता सीता का

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
सुभाष बनखंडी श्री रामलीला कमेटी के कलाकारों के रामलीला मंचन के सातवें दिन पंचवटी, खर-दूषण वध, मारीच की कुटिया, सीता हरण और जटायु मरण की लीलाओं का मंचन किया गया।
पंचवटी में दिखाया गया कि श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के साथ अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इसी दौरान जंगल में घूम रही रावण की बहन शूर्पणखा दोनों भाइयों को देखकर मोहित हो जाती है और उन पर शादी करने का दबाव बनाने लगती है। इस पर लक्ष्मण श्रीराम के आदेश पर उसकी नाक काट देते हैं, जिससे वह उन्हें धमकी देकर जाती है कि मैं अपने भाइयों को लेकर आऊंगी उनसे बदला लूंगी। खर-दूषण वध में दिखाया गया कि



शूर्पणखा के द्वारा श्रीराम और लक्ष्मण से बदला लेने के उकसाने पर खर-दूषण श्रीराम से युद्ध करने के लिए पंचवटी आते हैं और उनके द्वारा मारे जाते हैं। इस पर शूर्पणखा रावण के पास जाती है और सारे घटनाक्रम बताती है। मारीच की कुटिया में दिखाया गया कि रावण एक अपने मामा मारीच के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा जाता है और सीता हरण की योजना बनाई जाती है। सीता हरण में दिखाया गया कि मारीच एक सोने का मृग बनकर पंचवटी में भ्रमण किया जाता है, जिस पर सीता मोहित हो जाती हैं और मुझे यह सोने का मृग चाहिए, ऐसा श्रीराम से निवेदन करती हैं जिस पर श्रीराम लक्ष्मण को पंचवटी में छोड़कर जंगल चले जाते हैं।
इस बीच मारीच श्रीराम की आवाज में लक्ष्मण से मदद मांगता है। इस पर सीता विचलित हो जाती हैं और लक्ष्मण को श्रीराम की सहायता करने का आदेश देती हैं। लक्ष्मण के द्वारा लाख समझाने पर भी जब सीता नहीं मानतीं तो लक्ष्मण पंचवटी छोड़ने से पहले लक्ष्मण रेखा खींच कर जाते हैं और कहते हैं कि माता इस रेखा को पार मत करना। इस बीच अपने पूर्व षड्यंत्र के मुताबिक रावण साधु का वेश धरकर पंचवटी आता है और धोखे से सीता को लक्ष्मण रेखा के बाहर लाकर उनका अपहरण कर लेता है। जटायु मरण में दिखाया गया कि जब रावण सीता का हरण करके ले जा रहा होता है तो जटायु उनकी आवाज सुनकर उनकी मदद करने आता है, लेकिन रावण के हाथों बुरी तरह घायल हो जाता है। इस बीच श्रीराम और लक्ष्मण के द्वारा पंचवटी आने पर जब सीता के अपहरण की जानकारी मिलती है और वह जंगल-जंगल सीता की खोज के लिए भटकते हैं। तो उन्हें जंगल में जटायु घायल अवस्था में मिलते हैं।


## उत्तर रेलवे
### निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / समन्वय द्वारा ई-टेंडर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| टेंडर संख्या / दिनांक | 210-DRM-MB-23-24 Date: 18.10.2023 | 212-DRM-MB-23-24 Date: 18.10.2023 |
|---|---|---|
| कार्य का नाम | Deployment of cold weather Patrol Mitra/ Patrolman companion for daily inspection of track and patrolling of track in the section of SSE/P.Way/ DDN under ADEN/HW | Deployment of cold weather Patrol Mitra/ Patrolman companion for daily inspection of track and patrolling of track in the section of SSE/P.Way/ RK & LRJ under ADEN/RK |
| टेंडर क्लोजिंग दिनांक / समय | 03.11.2023 (16:00 hrs.) | 03.11.2023 (16:00 hrs.) |
| निविदा कीमत | ₹3000/- | ₹3000/- |
| अनुमानित लागत | ₹19,84,331.90 | ₹39,97,172.16 |
| धरोहर राशि | ₹39,700.00 | ₹80,000.00 |
| बिडिंग आरंभ तिथि | 20.10.2023 | 20.10.2023 |
| ऑफर की वैधता | 60 दिन | 60 दिन |
| कार्य पूर्ण करने की अवधि | 24 माह | 24 माह |

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 18.10.2023 3262/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## उत्तर रेलवे
### निविदा सूचना

| | | | |
|---|---|---|---|
| विभाग | Electrical (TRD) | टेंडर नं. | T-19-TRD-MB-23-24 |
| कार्य का नाम | मुरादाबाद डिवीजन के गुलावठी / टी.एस.एस. पर 02 नं. 132 KV/25KV 21.6 MVA सिंगल फेज ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर की पीरियाडिक ओवरहॉलिंग (पी.ओ.एच.) से संबंधित कार्य। | | |
| निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय | | 08.11.2023 at 15:00 hrs. | |
| कार्य की अनुमानित लागत (₹) | ₹38,02,755.48 (Including GST) | | |
| बिड सिक्योरिटी राशि (₹) | ₹76,100/- | निविदा प्रपत्र का मूल्य(₹) | शून्य |
| ऑफर की वैधता (दिन) | 60 दिन | कार्य पूरा करने की अवधि | 08 माह |
| वेबसाइट एवं कार्यालय का पता | www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद | | |

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-24 दिनांक 17.10.2023 3236/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## उत्तर रेलवे
### निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| Tender No. Date | 211-DRM-MB-23-24 dt. 18.10.2023 |
|---|---|
| Name of work | Cold weather patrolling of railway track by outsourcing agency under ADEN/HQ/MB and ADEN CH. |
| Tender Closing Date / Time | 13.11.2023 |
| Advertised Value (Rs.) | Rs. 47,67,077.00 |
| Earnest Money (Rs.) | Rs. 95,400.00 |
| Tender Cost (Rs.) | Rs. 3,000.00 |
| Bidding Start Date | 30.10.2023 |
| Period of Completion | 4 month |

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 18.10.2023 3255/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# बिल लाओ इनाम पाओ विजेताओं के पुरस्कार पाकर खिले चेहरे

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
बिल लाओ इनाम पाओ योजना के तहत गुरुवार को रिंग रोड स्थित जीएसटी भवन में माह अप्रैल और मई के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए। इस दौरान मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने विजेताओं को विभिन्न पुरस्कार जैसे स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच और इयर पॉड जैसे इनाम वितरित किये गये।
वित्त मंत्री डॉ प्रेम चंद अग्रवाल ने बताया कि योजना के अन्तर्गत 01 सितम्बर, 2022 से अब तक 47,134 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, जिनके द्वारा 2,10,382 बिल अपलोड किये गये हैं। जिनका कुल मूल्य 82.60 करोड़ है। बताया कि 01 अप्रैल, 2023 से अब तक 15,603 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, जिनके ओर से




1,23,467 बिल अपलोड किये गये हैं। इनका कुल मूल्य 41.28 करोड़ है।
मंत्री ने कहा कि यह आंकड़े दर्शाते हैं कि योजना को लेकर जनता में असीम उत्साह है और उनके द्वारा अधिकाधिक बिलों को अपलोड किया गया है। इस योजना के अंतर्गत पुरस्कार विजेताओं और पुरस्कार वितरण में पूर्ण पारदर्शिता रहे। इसीलिए, इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रखा गया है। सम्पूर्ण कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पूर्ण की जाती है।
डॉ. अग्रवाल ने बताया कि गत वर्ष 2022-23 (माह सितम्बर तक) 3597 करोड़ राजस्व की तुलना में संगत वर्ष 2023-24 (माह सितम्बर तक) में 3965 करोड़ राजस्व प्राप्त किया गया है, जो कि लगभग 10 फीसद अधिक है।
माह सितम्बर, 2022 में प्राप्त राजस्व 503 करोड़ की तुलना में माह सितम्बर, 2023 में प्राप्त राजस्व 595 करोड़ है, जो कि लगभग 18 फीसद अधिक है।
केन्द्र ने बिल लाओ-ईनाम पाओ जैसी अभिनव योजना को अपने-अपने राज्यों में क्रियान्वित करने का किया आह्वान -
वित्त मंत्री ने कहा कि बिल लाओ इनाम पाओ योजना की लोकप्रियता को देखते हुए भारत सरकार की ओर से इमेरा बिल मेरा अधिकारह नाम से एक इाइनवॉयस प्रोत्साहन योजनाह शुरू की गयी है। यह योजना आरंभ में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में असम, गुजरात और हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, दादरा व नगर हवेली और दमन व दीव में शुरू की गयी है। इस योजना का शुभारंभ करते हुए केंद्र सरकार विशिष्ट रूप से उत्तराखंड राज्य में संचालित जीएसटी ग्राहक इनाम योजना बिल लाओ-ईनाम पाओ का उल्लेख कर प्रशंसा की गयी।
इस क्रम में केंद्र सरकार अन्य राज्य सरकारों से उत्तराखंड राज्य में संचालित इबिल लाओ-ईनाम पाओह जैसी में किया गया है। इस मौके पर डॉ. अहमद संयुक्त आयुक्त राज्य कर, एसएस तिरुवा, संयुक्त आयुक्त राज्य कर सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

# सूचना अधिकार अधिनियम पर हुआ अधिकारियों का प्रशिक्षण

**गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया**
चमोली जिले के जिला पंचायत सभागार में विभागीय अधिकारियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरुवार को सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के संदर्भ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

उन्होंने सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत कार्मिकों एवं लोक सूचना अधिकारियों, प्रथम अपीलीय अधिकारियों की भूमिका, दायित्वों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. अर्जुन सिंह ने वर्चुअल माध्यम से सूचना अधिकार आयोग से संबंधित सवालों का समाधान किया गया।
`उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल के संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार और कुमाऊं विश्वविद्यालय से आए प्रशिक्षक नवीन पनेरू एवं जगमोहन सिंह मेहरा ने सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के बारे में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने सूचना अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सूचना का अधिकार आम नागरिक का अधिकार है। सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त हो रहे आवेदनों को ध्यान से पढ़कर निर्धारित प्रावधानों के अन्तर्गत बिन्दुवार स्पष्ट उत्तर देने पर अधिकतर प्रकरण लोक सूचना अधिकारी स्तर पर ही निस्तारित हो जाते है।
उन्होंने कहा कि अधिकारियों, कार्मिकों को निर्भीक होकर पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए कार्य किया जाना चाहिए। जिससे आम जनमानस को लाभ मिल सकें।

# दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 3 बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

**चालान**

8 पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
नगर कोतवाली पुलिस ने दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की 3 बाइकें बरामद की हैं। आरोपित पूर्व में भी बाइक चोरी व डकैती के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।
नगर कोतवाली पुलिस क्षेत्र में चोरी हुए वाहनों की तलाशी में जुटी हुई थी। इसके लिए पुलिस ने घटना स्थलों के आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे चैक किए। इस दौरान पुलिस को वाहन दिखाई दिया। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए हिलबाई पास रोड से एक आरोपित को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना ने लिप्त 01 विधि विवादित किशोर को हिरासत में लिया गया।
पकड़े गए आरोपित ने बरामद बाइक को कोतवाली नगर क्षेत्र से चोरी किया था। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर चोरी की अन्य दो अन्य बाइक बरामद की गई। इन बाइकों को आरोपित ने कोतवाली रानीपुर, हरिद्वार व बिजनौर उत्तर प्रदेश से चोरी किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम विकास पुत्र विजय निवासी झबरपुर थाना पुरकाजी जिला मुजफ्फर नगर उत्तर प्रदेश बताया।

## संक्षिप्त खबरें

### देश के 200 जनजातीय युवाओं से अमित शाह ने किया संवाद

**देहरादून:** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत मंडपम में आयोजित 'जनजातीय युवा एक्सचेंज कार्यक्रम' के तहत 200 जनजातीय युवाओं से संवाद किया। संवाद के दौरान शाह ने स्पष्ट किया कि 'देश के संविधान में सबके लिए समान अवसर उपलब्ध हैं और युवाओं को अपने जीवन के लक्ष्य को देश के विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। वामपंथी उग्रवादी और उनकी विचारधारा देश के विकास और उज्जवल भविष्य के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा हैं।' आजादी के बाद दशकों तक वामपंथी उग्रवाद देश के लिए नासूर बना रहा। किसी भी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए कोई जन-कल्याण योजना नहीं चलाई। जनजातीय समुदाय के बच्चों का भविष्य बद से बदतर होता चला गया। लेकिन आज शाह की नीतियों के तहत वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर, सड़क और अन्य जरूरी सुविधाएं पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। देश की जनता ने देखा है कि सरकार के विरोध में हथियार उठाने और देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वर्षों से वामपंथी उग्रवादियों ने जनजातीय युवाओं को उकसाने का काम किया है। युवाओं के लिए यह समझना बेहद आवश्यक है कि वामपंथी उग्रवादी और उनकी विचारधारा देश के विकास और उज्जवल भविष्य के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि जनजातीय युवा वर्ग वामपंथी उग्रवाद की विचारधारा को खत्म करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं। अंत्योदय की राजनीति करने वाले दिग्गज नेता शाह यह मानते हैं कि 'जनजातीय युवाओं को पूरे देश में होने वाले विकास के विषय में जागरूक होने की नितांत आवश्यकता है। उनके लिए यह जानना जरूरी है कि किस तरह देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। और जनजातियों के लिए हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। किसी का जन्मस्थान नहीं, बल्कि जीवन में किए गए उसके कार्य महत्वपूर्ण होते हैं।' साल 2014 के पहले तक उग्रवाद के कारण होने वाली घटनाएं चरम पर थी। जाहिर है कि ऐसे में प्रभावित राज्यों में हिंसा भी अत्यधिक थी जिसका सीधा प्रभाव वहां मौजूद रोजगार के अवसरों पर पड़ा। 2015 में जारी वामपंथी उग्रवाद उन्मूलन अधिनियम का उद्देश्य ही जनजातीय बहुल इलाकों में आधारभूत ढांचे का निर्माण करना है। मोदी सरकार के आने के साथ ही आधारभूत ढाँचे के को सुदृढ़ किए जाने के प्रयास शुरू कर दिए गए।

### एसोसिएशन ऑफ देवभूमि फार्मा इंडस्ट्रीज (एडीपीआई) ने आयोजित किया महत्वपूर्ण सम्मेलन, फामाकोपिया के मानक, गुणवत्ता संबंधी विषय और शेड्यूल एम. के रिवीजन पर हुई चर्चा

**हरिद्वार:** दि एसोसिएशन ऑफ देवभूमि फार्मा इंडस्ट्रीज, उत्तराखंड ने बीती 14 अक्टूबर को सिडकुल, हरिद्वार स्थित होटल हाइफन ग्रैंड में एक 'इंटरेक्टिव मीट' का सफल आयोजन किया। इसमें दवा उद्योग के अनेक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो गुणवत्ता, नियंत्रण और निर्माण के कार्य संभालते हैं। इस दौरान, दवा क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इनमें फामाकोपिया के मानक, गुणवत्ता संबंधी विषय और शेड्यूल एम. को फिर से तैयार करने संबंधी विषय शामिल थे।
इस आयोजन में, इंडियन फामाकोपिया कमीशन (आईपीसी) के सेक्रेट्री एवं साइंटिफिक डायरेक्टर और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) के अंतर्गत भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी बतौर मुख्य अतिथि और ड्रग कंट्रोलिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी, उत्तराखंड से श्री ताजबर सिंह गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे। एडीपीआई के चेयरमैन और अकुम्स ड्रग्स एंड फॉर्मास्युटिकल्स लिमिटेड के जॉइंट डायरेक्टर श्री संदीप जैन ने सभी मेहमानों का स्वागत और सम्मान किया।
इस मौके पर, आईपीसी टीम (डॉ. गौरव प्रताप - सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, डॉ. रॉबिन सिंह - सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, डॉ. प्रसाद थोटा - साइंटिफिक ऑफिसर, डॉ. पवन कुमार - साइंटिफिक असिस्टेंट, मुनीर जावेद - साइंटिफिक असिस्टेंट और ललित शर्मा - मार्केटिंग), राज्य की एफडीए टीम ( हेमंत सिंह नेगी - एडीसी - ड्रग्स लाइसेंसिंग अथॉरिटी, डॉ. सुधीर कुमार - एडीसी (प्रभारी) - नीरज कुमार - सीनियर ड्रग्स इंस्पेक्टर - मुख्यालय, अनीता भारती - ड्रग्स इंस्पेक्टर - हरिद्वार, मनेंद्र सिंह राणा - ड्रग्स इंस्पेक्टर - देहरादून, सीडीएससीओ - ऋषिकेश टीम - (डॉ. जय ज्योति रे - एडीसी-सीडीएससीओ, सौरभ गर्ग - ड्रग्स इंस्पेक्टर, अंजन - असिस्टेंट ड्रग्स इंस्पेक्टर) ने अपने विचार रखे। साथ ही, गुणवत्ता और निर्माण के मानकों को पूरा करने से संबंधित विभिन्न विषयों पर दिशा-निर्देश भी दिए। डॉ. रघुवंशी ने अपने भाषण में उत्तराखंड के दवा निमार्ताओं के प्रयासों की प्रशंसा की और माना कि दवा उद्योग का वैश्विक दृष्टिकोण बदल रहा है। उन्होंने दुनियाभर के नियंत्रकों के साथ सहयोग से दवा-उद्योग को अपडेट करने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, फामाकोपिया मानकों और गुणवत्ता से जुड़ी चिंताओं के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में भी बताया।

### साधना से समाज को स्वस्थ्य-सुदृढ़ बनाया जा सकता है: डॉ पंड्या

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
देवसंस्कृति विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि नवरात्र साधना के दिनों में गायत्री अनुष्ठान के साथ ध्यान करने से चमत्कारिक परिणाम मिलता है। मन में एकाग्रता के साथ स्थिरता की प्राप्ति होती है। गायत्री महामंत्र की साधना सफलता की कुंजी है।
डॉ पण्ड्या देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के गायत्री साधना में जुटे युवा साधकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गायत्री महामंत्र के मनोयोगपूर्वक जप से मन शांत और एकाग्र रहता है। मुखमंडल पर चमक आता है।

# नार्को आतंकी माड्यूल के दो आरोपित कोकीन के साथ गिरफ्तार

**संयुक्त अभियान**

8 आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और उत्तराखंड एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाया।

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
नार्को आतंकी माड्यूल कनेक्शन के तहत जम्मू-कश्मीर में पकड़े गये दो आरोपितों को उत्तराखंड एसटीएफ ने जनपद ऊधमसिंह नगर से गिरफ्तार किया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और उत्तराखंड एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाया। इनके पास से करोड़ों रुपये की कोकीन में संलिप्त अपराधियों के नेटवर्क में शामिल दोनों आरोपित भारी मात्रा में नकली कागजों, मुहर व उपकरणों के साथ गिरफ्तार किए गए हैं। इस पूरे आपरेशन की कमान एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल के हाथों में थी। एसएसपी अग्रवाल ने देहरादून में बताया कि तीन सितम्बर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दो अभियुक्तों से रामबन जिले में 34 किलोग्राम कोकीन के साथ एक नार्को आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह कोकीन उत्तरी कश्मीर से पंजाब लाई जा रही थी। आरोपित तलाशी नाकों पर चेकिंग से बचने के लिए फर्जी कागजों व नंबर प्लेटों का प्रयोग करते थे। इनके पास से 38 फर्जी नंबर प्लेटें, फर्जी पंजीकरण प्रमाण पत्र, नकली पासपोर्ट, 5.30 करोड़ रुपये और एक अवैध रिवाल्वर बरामद हुई है। आरोपितों ने बताया कि यह कागज और प्लेटें ऊधमसिंह नगर में बनाए गए हैं। पिछले 20 दिनों के परिश्रम के बाद इन दो आरोपितों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया। इनमें कृष्णपाल पुत्र हरदयाल रामपुर उत्तर प्रदेश, दीपचंद्र पुत्र गेंदनलाल, रामपुर के नाम शामिल हैं। आरोपितों पर जम्मू कश्मीर के कई थानों में मुकदमें दर्ज हैं।

# स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

**नशा मुक्ति अभियान**

8 पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार को सीज कर आरोपितों पर मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
बहादराबाद थाना पुलिस ने दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार को सीज करते हुए आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। पुलिस का इन दिनों देवभूमि नशा मुक्ति अभियान जारी है। इसी के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चेकिंग के दौरान दो तस्करों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 07.22 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार को सीज कर दिया है। पकड़े गए दोनों आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में अपने नाम अफजाल पुत्र इमामुद्दीन व नीटू पुत्र शेरा निवासीगण इब्राहिमपुर पथरी हरिद्वार बताए हैं।

### कॉलेज के मालिक पर गोली चलाने के आरोपी ने 16 साल बाद किया सरेंडर

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
देहरादून के प्रसिद्ध सरदार भगवान सिंह पीजी कॉलेज के मालिक एसपी सिंह पर गोली चलाने के आरोपी ने आखिरकार 16 साल बाद कोर्ट में सरेंडर कर दिया। हाल ही में उसके खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किए थे। इसी बीच पता चला कि गजियाबाद पुलिस भी उसकी तलाश में है। आरोपी ने तीन दिन पहले ही गाजियाबाद में एक फाइनेंस कारोबारी को बंधक बनाकर तीन करोड़ की रंगदारी वसूली थी। पुलिस से बचने के लिए ही वह नाटकीय ढंग से देहरादून कोर्ट में उपस्थित हो गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

### आईआईएम काशीपुर के डीआईसी ने युवा छात्रों में नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अटल टिंकरिंग लैब के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

**टीम एक्शन इंडिया/देहरादून।** भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर के डिजाइन इनोवेशन सेंटर (नवाशय) ने युवा छात्रों में उद्यमिता, नवाचार, और रचनात्मकता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आज गुरुकुल फाउंडेशन स्कूलए काशीपुर की अटल टिंकरिंग लैब के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आईआईएम काशीपुर परिसर में हुआ, जहां डीआईसी (नवाशय) की समन्वयक प्रोए कुमकुम भारती और एटीएल.टीजीएफएस के अध्यक्ष नीरज कपूरने समझौते पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में आईआईएम काशीपुर के निदेशकए प्रोफेसर कुलभूषण बलूनी, एवम उधमसिंह नगर जनपद (उत्तराखंड सरकार) के मुख्य शिक्षा अधिकारी, रमेश चन्द्र आर्य भी उपस्थित रहे।
एमओयू का उद्देश्य डिजाइन-आधारित नवाचार और कौशल-निर्माण के लिए ज्ञान और संसाधन विनिमय को प्रोत्साहित करके स्कूलों में नवाचार और डिजाइन सोच के परिदृश्य को बनाने और बढ़ाने में डीआईसी और एटीएल के बीच कौशल और संसाधनों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना है। इसका उद्देश्य अनुसंधान और विकास परियोजनाओं, कौशल निर्माण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का संचालन करके दोनों संस्थानों के बीच जुड़ाव को सुविधाजनक बनाना भी है।
डीआईसी की समन्वयक प्रोफेसर कुमकुम भारती ने एमओयू को भविष्य के लिए एक प्रतिबद्धता करार दिया और कहा कि एमओयू नवीन विचारों को विकसित करने में छात्रों के सामने आने वाली प्रासंगिक समस्याओं के समाधान खोजने के लिए दोनों संस्थानों को एक साथ लाने में मदद करेगा, जिससे स्कूल स्तर पर वास्तविक समस्या-समाधान, रचनात्मकता और नवीनता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
अटल टिंकरिंग लैबए काशीपुर के अध्यक्षए नीरज कपूर ने कहा कि एमओयू एक साझा दृष्टिकोण और सामूहिक समर्पण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, जहां डीआईसी दोनों संस्थानों के सामूहिक ज्ञान और संसाधनों का उपयोग करके रचनात्मकता, डिजाइन-आधारित नवाचार और उद्यमशीलता के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।
उधम सिंह नगर जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी, रमेश चंद्र आर्य ने आईआईएम काशीपुर नवाशय और अटल टिंकरिंग लैब के बीच हुए समझौते की सराहना की और आईआईएम काशीपुर से छात्रों और शिक्षकों के लाभ के लिए सरकारी स्कूलों में ऐसी पहल को शुरू करने का आग्रह किया।
आईआईएम काशीपुर का डिजाइन इनोवेशन सेंटर एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर डिजाइन और इनोवेशन डोमेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जो प्रशिक्षण और समर्थन सहित नवाचार प्रक्रिया के सभी पहलुओं में विभिन्न हितधारकों को जोड़ता है और सुविधा प्रदान करता है। केंद्रए स्कूलों और शिक्षकों को छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए डिजाइन सोच-आधारित समाधान विकसित करता है।
अपनी स्थापना के बाद सेए डीआईसी ने समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचारए डिजाइन सोच और रचनात्मक समस्या.समाधान की संस्कृति विकसित करके नवाचार को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया है।

# टोयोटा किर्लोस्कर मोटर द्वारा समर्थित ईस्टर्न नेवल फ्लीट ड्राइव - द ईस्टर्न आर्क के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय नौसेना के साथ हाथ मिलाया

**टीम एक्शन इंडिया/देहरादून।**
**टोयोटा किर्लोस्कर मोटर** (टीकेएम) ने भारतीय नौसेना के पूर्वी कमान द्वारा आयोजित ईस्टर्न नेवल फ्लीट ड्राइव द ईस्टर्न आर्क में अपनी भागीदारी की घोषणा की। फ्लीट ड्राइव की शुरूआत हो गई है जो अगले 12 दिनों में, 17 शहरों को कवर करते हुए और भारत के पूर्वी तट पर दो रेडियल मार्गों और समूहों के साथ लगभग 6000 किलोमीटर की कुल दूरी तय करेगी।
इस महत्वपूर्ण ड्राइव को झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए विशाखापत्तनम में नौसेना के डॉकयार्ड में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस मौके पर वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर, प्रमुख फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, पूर्वी नौसेना कमान के साथ टीकेएम के प्रतिनिधि, अतुल सूद, वाइस प्रेसिडेंट सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग की गरिमामयी उपस्थिति थी। भारतीय नौसेना के अच्छे उद्देश्य का समर्थन करने के लिये टीकेएम ने चार हाईलक्स और तीन फॉर्च्यूनर मॉडल सहित सात वाहनों के बेड़े के साथ आवश्यक सहायता प्रदान की है। इसका उपयोग विभिन्न दूरदराज के स्थानों में चुनौतीपूर्ण इलाकों और ऊबड़-खाबड़ ऑफ-रोड मार्गों को पार करने के लिए किया जाएगा। यह ईस्टर्न नेवल फ्लीट ड्राइव टोयोटा वाहनों के साथ भारत के पूर्वी क्षेत्र के विविध और जीवंत परिदृश्यों के माध्यम से अपनी उल्लेखनीय यात्रा पर निकली है, जो अपने बेजोड़ प्रदर्शन, बहुमुखी प्रतिभा और ऑफ-रोडिंग क्षमताओं के लिए जानी जाती है।
ईस्टर्न नेवल फ्लीट ड्राइव, जिसका नाम द ईस्टर्न आर्क ठीक ही दिया गया है, खास महत्व रखती है क्योंकि यह भारतीय नौसेना के आउटरीच कार्यक्रमों और गतिविधियों के साथ तालमेल में है, जिसका उद्देश्य नागरिक आबादी से जुड़ना है। यह भारतीय नौसेना की विभिन्न भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक अनूठा अवसर भी है। टीकेएम ने सात वाहनों का एक बेड़ा उपलब्ध कराया है, जिसमें चार हाईलक्स और तीन फॉर्च्यूनर शामिल हैं, जो चुनौतीपूर्ण इलाकों और दूरियों की मुश्किलों का मुकाबला करने के लिए विशेष रूप से तैयार और सुसज्जित हैं। पूर्वी नौसेना बेड़ा अभियान दो समूहों में आयोजित किया जाएगा - उत्तरी समूह और दक्षिणी समूह, प्रत्येक में क्रमशः तीन और चार कारें शामिल होंगी। दोनों समूह विशाखापत्तनम से अपनी यात्रा शुरू करेंगे और अलग-अलग मार्गों का अनुसरण करेंगे, उत्तरी समूह विशाखापत्तनम से किबिथू तक और दक्षिणी समूह विशाखापत्तनम से कन्याकुमारी तक का रास्ता तय करेगा।

# सेब के लिए प्रख्यात हर्षिल में एप्पल फेस्टिवल की धूम, देश दुनिया में हर्षिल के सेब की डिमांड बढ़ी है: जोशी

**एप्पल फेस्टिवल**

8 उद्यान मंत्री जोशी ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत को आगे बढ़ाने में कृषकों का सबसे बड़ा योगदान है।

**उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया**
की ब्रांडिंग और उत्पादन को बढ़ावा देकर किसानों की आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से गुरुवार को हर्षिल में एप्पल फेस्टिवल शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने किया।
इस दौरान उद्यान मंत्री जोशी ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत को आगे बढ़ाने में कृषकों का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि हिमाचल और कश्मीर के बाद उत्तराखंड राज्य ने सेब उत्पादन के क्षेत्र में भारी वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि टिहरी जनपद में हम ने बीते सालों 95 हजार पौधे लगवाये। अब वहां दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, इससे बागवानों की आय बढ़ेगी।
उन्होंने कहा कि आज ब्रांडिंग का जमाना है। देश दुनिया में हर्षिल के सेब की डिमांड बढ़ी है। टेस्ट और ब्रांडिंग के मामले में यहां का सेब हिमाचल और कश्मीर से पीछे नहीं है। उन्होंने हर्षिल को फलपट्टी बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि आने वाले पांच सालों में हमारा प्रदेश कृषि और बागवानी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा। कृषि एवं बागवानी मंत्री ने क्षेत्र पंचायत प्रमुख मोरी की मांग पर मोरी में कृषि बागवानी के लिए सचल उद्यान केंद्र खोलने की भी घोषणा की है। इस दौरान मंत्री ने प्रगतिशील सेब बागवानों को भी सम्मानित किया। उन्होंने प्रगतिशील बागवान किरन सिंह, जयपाल सिंह, रघुवीर सिंह रावत, आजाद डिमरी, जगमोहन राणा, संगीता, मोहन राणा आदि काश्तकारों को पुरस्कृत किया।
रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आज एप्पल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पहले दिन लामा टेकरी पहाड़ी पर नेचर वॉक का आयोजन किया गया। इस मौके पर पारंपरिक लोकगीत एवं नृत्यों का आयोजन किया गया। सात समंदर पार (इंग्लैंड) से आये विदेशी मेहमानों ने भी पारंपरिक तांदी नृत्य किया।
इस दौरान जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने बताया कि आने वाले समय में हर्षिल एप्पल फेस्टिवल पर्यटकों को बढ़ावा और ब्रांडिंग कार्य करेगा। उन्होंने फेस्टिवल में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त कर किया है।
मुख्य उद्यान अधिकारी डा. डीके तिवारी ने बताया कि इस एक दिवसीय फेस्टीवल के दौरान सेब की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी बहुत आकर्षण का केंद्र रही। विशेषज्ञ बागवानों को सेब उत्पादन से संबंधित तकनीकी जानकारी एवं बागवानी के नए तौर-तरीकों से भी अवगत कराएंगे।महोत्सव में कृषि एवं उद्यान विभाग के महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र राणा, भटवाड़ी ब्लाक प्रमुख श्रीमती विनीता रावत, शैलेंद्र सिंह कोहली,बचन पंवार, चंडी प्रसाद बेलवाल, सहकारी बैंक के अध्यक्ष विक्रम रावत, विजयपाल मखलोगा, जिला अधिकारी अभिषेक रूहेला, अपर जिलाधिकारी तीर्थ पाल सिंह, एसडीएम चत्तर सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र रावत ,विनोद चौहान मौजूद रहे।

### विशेषज्ञों ने किसानों को दी जानकारियां-

एप्पल फेस्टिवल में पहले दिन क्षेत्र के लगभग 400 किसानों ने पंजीकरण कराया। इस दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को खेती बागवानी से जुड़ी जानकारी दीं।प्रदर्शनी में सजाए गए दर्जनों प्रजाति के सेब-प्रदर्शनी में रेड चीफ, ऑर्गन स्पर, सुपर चीफ, गाला, गोल्डन डिलीशियस, रॉयल डिलीशियस, रेड डिलीशियस, फैनी, रॉयमर, जोनाथन, बकिंघम, रेड ब्लाक, जिंजर गोल्ड, पिंक लेडी, ग्रेमी स्मिथ, रेड गोल्डन, ग्रीन स्वीट, रेड फ्यूजी, क्रेब एप्पल आदि प्रजाति के सेब प्रदर्शित किए गए।

## संपादकीय

# दुनिया नए तरह के युद्ध के मुहाने पर पहुंची

**वैश्विक** स्तरपर हम अगर हालिया 2022 वर्ष से लेकर नजर डालें तो दुनियां के देशों को हम चार भागों में बंटे देखतें हैं। पहले पश्चिमी देश सहित कुछ मंच, दूसरा अरब मुस्लिम देश जो अभी हम इसराइल हमास युद्ध में देख रहे हैं, तीसरा चीन रूस पाक सहित कुछ देश और चौथा भारत अफ्रीकी यूनियन व मित्र देश। इस समय हर समूह अपने आप को श्रेष्ठता की श्रेणी में रखना चाहता है और समूह को अपने पाले में रखना चाहता है। आजके वैश्विक समुदाय में उसकी पूछ परख बड़े। अगर उसके गुट के किसी छोटे देश पर भी किसी ने तिरछी नजर डाली तो वह ग्रुप उसका उसके साथ खड़ा हो जाता है, जिसका अभी ताजा उदाहरण हम इसराइल-हमास और रूस-यूक्रेन युद्ध में देख रहे हैं कि पिछले करीब 17 माह से यूक्रेनमुकाबला करने की ताकत संजोए हुए हैं। उधर मुस्लिम देशों के बीचों बीच घिरा हुआ देश इसराइल भी दमखम के साथ अपनी हिम्मत दिखा रहा है, जो हर कोई जानता है कि यह बल किससे प्राप्त हो रहा है। यानें दूसरी भाषा में हम यूं कह सकते हैं कि जैसे 32 दांतों के बीच जीभ रहती है वैसे ही अरब राष्ट्रों के बीच इसराइल हैं। यानें इसराइल एक दुनियां का इकलौता ऐसा देश है जो बहुत ही छोटा होने पर भी इतने अरब देशों के बीच घिरा हुआ है, इसके बावजूद अपनी शर्तों पर जी रहा है, प्रगति कर रहा है, रक्षा क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है और उसके पीछे पश्चिमी देश खड़े हैं जो अभी हम हमास इजरायल युद्ध में देख रहे हैं। अमेरिका ने दिनांक 18 अक्टूबर 2023 को देर रात्रि तुर्की में अपना दूतावास बंद करने की घोषणा की, वहीं ब्रिटेन फ्रांस ने अपने नागरिकों को इसराइल छोड़ने को कहा है तो भारत में भी मिशन अजेय के माध्यम से 18000 भारतीयों के फंसे होने से सात ट्रिप लगा चुका है जो अभी चालू है वही दिनांक 18 अक्टूबर 2023 को अमेरिकन राष्ट्रपति जो बायडेन दोपहर इसराइल पहुंचे जिसपर इस मामले की गंभीरता को समझा जा सकता है कि दुनिया एक नए तरह के युद्ध के मुहाने पर जा पहुंची है, जिसे अमेरिका सहित पूरी दुनिया टेंशन में है, चूंकि जो बाइडेन आज इजरायल में नेतन्याहू से बैठक किए और अस्पताल पर हमले में मृत 500 से अधिक लोगों पर संवेदना के साथ इसराइल को क्लीन चिट देकर बाहरी हाथ होने और अनेक बातों की चर्चा की इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, हमास इजरायल युद्ध जंग का दायरा बड़ा, अगले कुछ दिन पूरी दुनियां के लिए बेहद आहम है।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति का 18 अक्टूबर 2023 को इसराइल दौरे की करें तो, तेल अवीव पहुंचे जो बाइडेन ने इजरायल के पीएम के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा है कि ऐसा लगता नहीं है कि गाजा के अस्पताल में हुए ब्लास्ट के पीछे इजराइल का हाथ है, उन्होंने गाजा में हॉस्पिटल पर हमले के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है।

बाइडेन ने कहा कि हमास की बर्बरता के सामने आईएसआईएस भी कुछ नहीं है तेल अवीव पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए बाइडेन ने कहा, गाजा के अस्पताल पर आज हुए हमले से मैं बहुत दुखी हूं, मैंने जितना भी देखा है मुझे लगता है कि ये दूसरी टीम (हमास) ने किया है। आपने (इजरायल) नही। बाइडेन ने इजरायल को अमेरिका के पूरे समर्थन की बात दोहराई।

# समलैंगिक विवाह अब गेंद सरकार के पाले में



रोहित माहेश्वरी

“ एलजीबीटीक्यू समुदाय को शादी की समानता देने का कड़ा विरोध कर रही सरकार का कहना था कि शादी के इस सामाजिक-कानूनी विषय पर सिर्फ संसद चर्चा कर सकती है और अदालत को इसकी सुनवाई का अधिकार नहीं है। सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील थी कि प्यार करने और साथ रहने का अधिकार बुनियादी है मगर शादी एक संपूर्ण अधिकार नहीं है और यह बात विषमलैंगिक (महिला-पुरुष) जोड़ों पर भी लागू होती है। विवाह एक सामाजिक-धार्मिक अनुष्ठान है। उसके कानूनी पक्ष भी हैं। दो विपरीत लिंगी सहवास करते हैं, तो एक नया जीव, प्राणी इस दुनिया में जन्म लेता है। कोख में मानवीय शरीर की संरचना ही इस ब्रह्मांड का सबसे अनूठा करिश्मा है। इसे कोई नकार नहीं सकता। ”

**सुप्रीम** कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मंगलवार को सर्वसम्मति से विशेष विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया और फैसला सुनाया कि ऐसे मिलन को मान्य करने के लिए कानून में बदलाव करना संसद के दायरे में है। इस पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने समान-लिंग वाले व्यक्तियों को एक साथ रहने से नहीं रोका है। चूंकि देश में समान-लिंग वाले व्यक्तियों के बीच विवाह के लिए ऐसा कोई कानून नहीं है। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया।

असल में संविधान में विवाह एक मौलिक अधिकार नहीं है, लिहाजा सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इंकार कर दिया है। हालांकि अदालत ने समलैंगिकों के हितों और कुछ अधिकारों को संरक्षण देने की पैरवी जरूर की है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह के मद्देनजर विशेष विवाह अधिनियम में संशोधन करने या मान्यता देते हुए पंजीकरण करने से भी इंकार कर दिया है। प्रधान न्यायाधीश ने स्पष्ट किया है कि कानून बनाना अदालत का विशेषाधिकार नहीं है। वह सिर्फ कानून की समीक्षा और व्याख्या कर सकती है, लिहाजा इस मामले को संसद और सरकार के विवेकाधीन छोड दिया गया है। एक सुझाव जरूर दिया गया है कि सरकार कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करे, जो समलैंगिक विवाह के तमाम आयामों पर विमर्श करने के बाद अपनी रपट सरकार को सौंपे। उसके आधार पर संसद में बहस की जा सकती है। संविधान पीठ ने यह निर्देश भी दिया है कि केंद्रीय कानून के अभाव में राज्य भी कानून बना सकते हैं। हालांकि चार न्यायाधीशों ने अलग-अलग फैसले दिए, असहमतियां भी व्यक्त कीं, लेकिन समलैंगिक विवाह को मान्यता न देने पर पूरी पीठ एकमत थी।

समलैंगिक विवाह को विशेष विवाह अधिनियम के तहत मान्यता देने और अन्य संबद्ध पहलुओं को लेकर 21 याचिकाएं सर्वोच्च अदालत में दाखिल की गई थीं। सवाल यह भी था कि क्या लैंगिक अल्पसंख्यक भी जीवन, आजादी, समानता और गैर-भेदभाव सरीखे मौलिक अधिकारों के पात्र हैं? क्या विशेष विवाह अधिनियम को लैंगिक तटस्थ बनाया जा सकता है? वे एक भारतीय पारिवारिक ईकाई के तौर पर धार्मिक वैधता या सामाजिक स्वीकार्यता नहीं मांग रहे थे, लिहाजा साफ है कि वे विवाह की संस्था के मायने, उसके उत्तरदायित्व, समर्पण, सहवास और जिम्मेदारियों के मायने बदलने के पक्षधर हैं। दरअसल भारतीय समाज में, किसी भी समुदाय में, विवाह एक पुरुष और एक स्त्री के बीच सम्पन्न कराए जाते हैं। यही प्रकृति का भी नियम है। पुरुष को पति और स्त्री को पत्नी का दर्जा दिया जाता है। इस मामले की शुरूआती सुनवाई के दौरान ऐसा लग रहा था कि भारत समलैंगिक विवाह को मान्यता देकर इतिहास बनाने के करीब है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संवैधानिक खंडपीठ ने कहा था कि वह धार्मिक व्यक्तिगत कानूनों में दखल नहीं देगी लेकिन इस बात पर विचार किया जाएगा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाहों को मान्यता देने वाले विशेष कानून में बदलाव किए जा सकते हैं या नहीं। लेकिन जैसे-जैसे अदालती कार्यवाही आगे बढी, यह स्पष्ट होता चला गया कि मामला कितना पेचीदा है। पांच जजों की खंडपीठ ने माना कि सिर्फ एक कानून में बदलाव लाने से कुछ नहीं होगा क्योंकि तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार और गुजारा देने जैसे अन्य करीब 35 कानून हैं जिनमें से कई धार्मिक व्यक्तिगत कानूनों के दायरे तक जाते हैं।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों का तर्क था कि शादी दो लोगों का मिलन है, न कि सिर्फ एक महिला और पुरुष का। ऐसे में उन्हें शादी करने का अधिकार न देना संविधान के खिलाफ है क्योंकि संविधान सभी नागरिकों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार देता है और सेक्शुअल ओरिएंटेशन के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि शादी न कर पाने के कारण इस समुदाय के लोग न तो संयुक्त बैंक खाता खोल सकते हैं, न घर के साझे मालिक बन सकते हैं और न ही बच्चों को गोद ले सकते हैं वे शादी के साथ मिलने वाली इज्जत से भी महरूम हैं।

वहीं, एलजीबीटीक्यू समुदाय को शादी की समानता देने का कड़ा विरोध कर रही सरकार का कहना था कि शादी के इस सामाजिक-कानूनी विषय पर सिर्फ संसद चर्चा कर सकती है और अदालत को इसकी सुनवाई का अधिकार नहीं है। सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील थी कि प्यार करने और साथ रहने का अधिकार बुनियादी है मगर शादी एक संपूर्ण अधिकार नहीं है और यह बात विषमलैंगिक (महिला-पुरुष) जोडों पर भी लागू होती है।

विवाह एक सामाजिक-धार्मिक अनुष्ठान है। उसके कानूनी पक्ष भी हैं। दो विपरीत लिंगी सहवास करते हैं, तो एक नया जीव, प्राणी इस दुनिया में जन्म लेता है। कोख में मानवीय शरीर की संरचना ही इस ब्रह्मांड का सबसे अनूठा करिश्मा है। इसे कोई नकार नहीं सकता। सृष्टि ऐसे ही आकार लेती रही है और उसका विस्तार भी होता रहा है। कानूनी रूप से समलैंगिक समुदाय को बच्चा गोद लेने की भी अनुमति नहीं है। समलैंगिक विवाह एक मनोविकार है और कुदरत को नकारने का एक बौना-सा, निरर्थक प्रयास है। एक शहरी, पढी-लिखी, कथित आधुनिक जमात इस मनोविकार की बीमार है। अदालत ने 2018 में समलैंगिक संबंधों को अपराध से मुक्ति देने का फैसला सुनाया था। उसी के बाद ऐसे विवाह को संवैधानिक मान्यता देने का मुद्दा भडका है। हम ऐसे विवाह और संबंधों को अनैतिक, असामाजिक, अप्राकृतिक और अपवित्र मानते हैं। बेशक अपना जीवन-साथी चुनने का अधिकार सभी को है। यदि यही होता, तो संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इंकार क्यों कर दिया? क्या एक सामान्य जोड और समलैंगिक साथियों के संवैधानिक अधिकार समान हैं? सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन समलैंगिक जोडों को निराशा मिली है जो इससे उम्मीदें लगाए हुए बैठे थे। इनमें से कई ने मीडिया को बताया कि कानूनी मान्यता मिल गई होती तो वे शादी कर लेते। उनका कहना है कि इस आदेश से उनकी जिंदगी आसान तो होगी लेकिन अभी भी उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया है।

खासकर दिसंबर 2018 के बाद से, जब सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक सम्बंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर निकाला था। एक्टिविस्ट कहते हैं कि यह समुदाय लगातार लांछनों और भेदभाव का सामना कर रहा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से पेश अधिवक्ताओं में शामिल मुकुल रोहतगी ने कहा था कि कई बार समाज को एलजीबीटीक्यू. लोगों को संविधान के तहत समान मानने के लिए हल्के से धक्के (प्रोत्साहन) की जरूरत होती है और सुप्रीम कोर्ट का फैसला समाज को इस समुदाय के प्रति स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा। अदालत ने गेंद अब संसद और सरकार के पाले में डाल दी है। यदि बहस और विमर्श के बाद संसद ऐसे संबंधों पर मुहर लगाती है, तो समाज की भ्रांतियां भी ध्वस्त हो जाएंगी। अभी तक समलैंगिक लोगों पर समाज की सवालिया और संदेहास्पद दृष्टि रही है।



## कविता

### अंधा बांटे रेवड़ी

बदल गए युग अनेकानेक फिर भी
युद्ध को भूल पाया नहीं मानव,
स्वार्थ ईर्ष्या है आज भी सर्वोपरि,
अंधा बांटे और अपनो को ही दे रेवड़ी !
चालाक हुआ अब पहले से मानव
असली चेहरे को खूब छिपाते लोग
हाथों में है रखते शस्त्र धारदार
जुबान रहती उनकी रसदार सदैव!
सहारा कोई बन सके किसी का
शख्स ढूँढ़ना हो चला है मुश्किल
वक़्त आया है बेरहम इस तरह का
रोते देख किसी को हँसते है लोग !
काबिलियत की रही ना कदर अब
चश्मे भांति भांति के रखते है सब
भाई भतीजे और मैं में रहते हैं गुम
चमचे जन खूब मलाई खाते हैं।

मुनीष भाटिया

# राजस्थान में भी चल रही है बदलाव की बयार

**रमेश सर्राफ धमोरा**

**राजस्थान में पिछले तीस** वर्षों से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज चला आ रहा है। अगले महीने होने वाले राजस्थान विधानसभा के चुनाव में जहां भाजपा हर बार राज बदलने के रिवाज को बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वही सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनाकर रिवाज बदलना चाहती है। चुनाव में दोनों ही पार्टियों पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही है। तीसरे मोर्चे के रूप में बसपा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन, भारतीय आदिवासी पाटी, वामपंथी पार्टिया जैसे छोटे राजनीतिक दल भी प्रदेश की राजनीति में तीसरी शक्ति बनकर सत्ता की चाबी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। राजस्थान में पिछले 30 वर्षों से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की मुख्य धुरी बने हुए हैं। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस की राजनीति घूमती है। कांग्रेस पार्टी में जैसा गहलोत चाहते हैं वैसा ही होता है। 1998 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहते अशोक गहलोत जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। तब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में कई दिग्गज नेता सक्रिय थे। जिनमें मुख्य परसराम मदेरणा, शीशराम ओला, नवल किशोर शर्मा, कुंवर नटवर सिंह, शिवचरण माथुर, जगन्नाथ पहाड़िया, हीरालाल देवपुरा, बलराम जाखड़, चौधरी नारायण सिंह, रामनारायण चौधरी, कमला बेनीवाल, खेत सिंह राठौड़, प्रद्युम्न सिंह, गुलाब सिंह शक्तावत जैसे दिग्गज नेता मौजूद थे। उस वक्त गहलोत ने इन सभी को मात देकर मुख्यमंत्री का पद हासिल किया था।

बाद में गहलोत ने एक-एक कर सभी बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से किनारे लगा दिया। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस की राजनीति में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रतिद्वंदी बनकर उभरे सचिन पायलट भी साइड लाईन हो चुके हैं। गांधी परिवार के वफादार भंवर जितेंद्र सिंह का व्यक्तित्व इतना बड़ा नहीं है कि उनके नाम पर मुख्यमंत्री पद के लिए आम सहमति बन सके। 2008 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते सीपी जोशी मुख्यमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार बने थे। मगर उनकी एक वोट से हुई हार ने उनका राजनीतिक कैरियर ही चौपट कर दिया था। गत वर्ष कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत के स्थान पर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास किया था। जिसके लिए मल्लिकार्जुन ख?गे व अजय माकन पर्यवेक्षक बन कर जयपुर आए थे। मगर विधायकों द्वारा विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर देने से सचिन पायलट दूसरी बार मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए थे। मुख्यमंत्री गहलोत पिछले पांच साल से लगातार अपनी सभाओं में कहते आ रहे हैं कि वह चौथी बार भी मुख्यमंत्री बनेंगे। मगर लगता है कि अब कांग्रेस में भी बड़ा उलट-पुलट होने वाला है।

## विचार

# प्रेस बीफिंग में बोला 'रावण' दशहरे पर नहीं मरूंगा ?

**प्रभुनाथ शुक्ल**

**सोटागुरु** का खैनी बनाने का अंदाज ही जुदा है। उनकी अदा पर लाखों फिदा हैं। सोटागुरु के खैनी बनाने का अंदाज उस समय बेइंतहा हो जाता है जब सिर पर पगड़ी बधी हो और मूछे नागिन डांस करती हों। उनकी खैनीवाली अदा के लाखों दीवाने हैं। सोटागुरु कहते हैं ह्यअस्सी चुटकी नब्बे ताल, तब देखो खैनी की चाल ह्व चौपाल पर सोटागुरु का खैनीडांस जब होता है तो कितने युवा मस्ती में खुद को खो बैठते हैं। वह जमींन पर होते हुए भी क्रूज की सैर कर आते हैं। सोटागुरु को देश दुनिया की अच्छी जानकारी है। बस, उन्हें कोई छेड़ दे तो बात बन जाए। खबरीलाल ने सोटागुरु को एक गंभीर खबर सुना कर आखिर छेड़ ही दिया। खबर सुनते ही सोटागुरु के चेहरे पर हवाईयां उड़ने लगीं। वह धर्मसंकट में पड़ गए। उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखने लगीं। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगते हुए इस खबर की अंतिम पुष्टि की इच्छा से पूछा। खबरीलाल क्या तुम सच कहत हौ। जी बिल्कुल! सोटागुरु, पक्की खबर है। अबकी दशहरे पर रावण ने हड़ताल कर दिया है। उसने प्रभु श्रीराम को व्हाट्सेप, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और मेल के जरिए संदेश भेज दिया है कि अबकी दशहरे पर वह नहीं मरेगा। रावण ने लंका में इंटरनेशनल मीडिया की प्रेस बीफ भी बुलाकर अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। दुनिया भर में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी है। इस पर इहलोक और परलोक में डिबेट छिड़ गयीं है। रामजी को भेजे संदेश में रावण ने साफ कहा है कि त्रेता से लेकर हम मरते-मरते कलयुग तक आ पहुंचे। पांच हजार साल से कलयुग में भी मरते आ रहे हैं। लेकिन हमने अब मुफ्त में मरने का इरादा छोड़ दिया है। रावण ने कहा है- कितनी बार मैं मरूंगा? युगों-युगों तक मरने का ठेका क्या हमी ने ले रखा है। पूरे देवलोक में इस खबर से खलबली मच गयीं है। जबकि इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात तो यह है कि रामजी ने रावण की हड़ताल को जायज बताया है।उन्होंने कहा है कि रावण की हड़ताल बिल्कुल जायज और लोकतांत्रिक है। प्रभु की इस लोकतांत्रिक इच्छा से विष्णुलोक में खलबली मच गयीं है। जबकि रावण की लंका में इसे श्रीराम का समदर्शी न्याय बताते हुए मुक्त कंठ से प्रशंसा हो रही है। खबरीलाल ने सोटागुरु को बताया कि देवलोक की मीडिया इस खबर को युगान्तकारी बताते हुए ब्रेकिंग चला रहीं है। सभी चैनल इस पर डिबेट कर रहे हैं। देव और दैत्यलोक के विश्लेषक अपने-अपने तरीके से इस पर डिबेट कर रहे है कि भविष्य में इसका क्या असर होगा। मीडिया में रामजी ने रावण के हड़ताल का समर्थन क्यों किया इसकी वजह तलाशी जा रहीं है। देवलोक चाहता है कि प्रभु श्रीराम इसका स्पष्टीकरण दें। जबकि रावण की लंका में इस पर खूब जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन विभीषण परेशान हैं। आखिर यह सब हुआ कैसे। सोटागुरु ने कहा निशानेबाज तुमने यह खबर सुना कर त्यौहार का मजा किरकिरा कर दिया। हमने सोचा था कि दशहरा करीब है और कोरोना चरसी नींद में है। अबकी सबकुछ अच्छे से मनेगा। लेकिन रावण ने तो होलियाना मूड में भांग पीकर फैसला सुना दिया। त्यौहारी और चुनावी मौसम में सोचा था कुछ खैरात का सरकारी गिफत मिल जाएगा। लेकिन भिया, रावण को क्या बोले वह तो रावण ठहरा। सोटागुरु, रावण कह रहा था कि डीजल, पेट्रोल और राई का तेल महंगा हो गया है। हमारे ह्यएक लाख पूत और सवालाख नाती बेकारी और बेगारी झेल रहे हैं। अनगिनत को मुए कोरोना ने लूट लिया। किसी तरह मुझे बख्श दिया है। फिर इस महंगाई के दौर में आखिर मुफत क्यों मरूं। जब सब कुछ बिक रहा है तो मेरी भी तो बोली लगनी चाहिए। आखिर दशहरा तो अपुन का टाइम है भाय। सरकार तो हर साल दशहरा और दिवाली पर अपने लोगों को बोनस और इंक्रीमेंट देती है। ऊपर से लोग काजू कतली का गिफ़्ट भी पाते हैं। मुझे तो हर साल मुफत में मरने का भी बोनस नहीं मिलता। सोटागुरु गंभीर चिंतन में चले गए। गहरी सांस लेते हुए कहा अब क्या होगा खबरीलाल।

# एक्शन इंडिया दैनिक

**भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

**आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

**सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)**
**actionindiaddn@gmail.com**

**वैधानिक सूचना**

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

## चिंतन

# कार्यस्थल पर अपना आत्मविश्वास बढ़ाएँ

**विजय गर्ग**

यदि आप आत्म-संदेह की भावनाओं से जूझते हैं और काम पर अपना आत्मविश्वास बढ़ाने की इच्छा रखते हैं, तो आप अकेले नहीं हैं। मनीपेनी सर्वेक्षण के अनुसार, एक तिहाई अमेरिकी इम्पोस्टर सिंड्रोम से पीड़ित हैं। अध्ययन से यह भी पता चला कि महिलाएं (35%) कार्यस्थल में अपर्याप्तता की भावनाओं से पुरुषों (30%) की तुलना में अधिक पीड़ित होती हैं। काम पर कम आत्मविश्वास के कुछ सामान्य लक्षणों में आपकी उपलब्धियों को कम महत्व देना, पूर्णतावाद, नकारात्मक आत्म-चर्चा और गलतियाँ करने का डर शामिल हैं। आत्मविश्वास की कमी से निपटने के लिए आप अति-उपलब्धि करने और अपनी क्षमता से अधिक काम लेने की ओर भी अग्रसर हो सकते हैं। दुर्भाग्य से, अगर इलाज न किया जाए, तो कम आत्मसम्मान आपके पेशेवर विकास में बाधा बन सकता है और आपको अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक सकता है।

अपने व्यक्तिगत ब्रांड पर काम करें आपका व्यक्तिगत ब्रांड दशार्ता है कि आप कैसे चाहते हैं कि लोग आपको देखें। यह अस्तित्व में है चाहे आप इसे बनाएं या नहीं। हालाँकि, आदर्श रूप से, यह जानबूझकर और सुसंगत होना चाहिए। अपने मौजूदा ब्रांड का ऑडिट करने के लिए, फिर निर्धारित करें कि क्या समायोजन करने की आवश्यकता है। अपने लक्षित दर्शकों की पहचान करके और प्रामाणिक होकर, आप एक व्यक्तिगत ब्रांड बना सकते हैं जो आज के तेजी से प्रतिस्पर्धी कार्य वातावरण में आपको अलग करने में मदद करता है। हाई-प्रोफाइल असाइनमेंट के लिए स्वयंसेवक काम पर अपना आत्मविश्वास बढ़ाने का एक और तरीका हाई-प्रोफाइल असाइनमेंट के लिए स्वेच्छा से काम करना है। ऐसी परियोजनाएँ जो आपकी दृश्यता बढ़ाती हैं, आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती हैं। एक कारण यह है कि जब लोग जानते हैं कि आप कौन हैं, तो वे पदोन्नति के लिए आपके बारे में विचार करने की अधिक संभावना रखते हैं। साथ ही, यह अन्य विभागों के लोगों के साथ संबंध बनाने का एक शानदार तरीका है।

## चुनावी मंथन

डॉ. सुरेश कुमार

आज के समय में न चुनाव होने में देर लगती है और न परिणाम आने में। देर-अंधेर सब तो गरीबों के भाग्य में होता है। हारने के बाद हार का ठीकरा सामने आता है। हार जितनी बड़ी होती है ठीकरा भी उतना बड़ा होता है। परंपरा ये है कि जितनी जल्दी हो किसी के सिर पर ठीकरे को फोड़ देना जरूरी है। आदर्श राजनीति में चाकू पीठ में ही घोंपा जाता है, उसी तरह ठीकरा सिर के अलावा और कहीं नहीं फोड़ा जा सकता है। ठीकरा कोई तिजोरी में रखने की चीज नहीं है, न ही पार्टी कार्यालय में मोमेंटो यानी स्मृति चिन्ह की तरह सजाया जा सकता है। लेकिन दिक्कत यह है कि ठीकरा चाहे जहां फोड़ा भी नहीं जा सकता है। उसके लिए बाकायदा एक सिर लगता है, यानी एक बाजिब सिर। ये नहीं कि किसी रास्ते चलते को पकड़ लिया और उसके सिर पर फोड़ दिया दन्न से। पुराने जमाने में अध्यक्ष के सर को यह सम्मान दिया जाता था, जिस पर नारियल से ले कर ठीकरा तक, सब कुछ फोड़ा जा सकता था। लेकिन हाल के बरसों में कुछ गलतफहमियों ने जड़े जमा लीं। अध्यक्ष के गले में पड़ने वाली मालाओं का ध्यान रहा, ठीकरों को भूल गए। अगर दूरदृष्टि से जोखिम का ध्यान रखा होता तो न सही अध्यक्ष, कम से कम उपाध्यक्ष तो किसी शोषित-पीड़ित बेनाम कार्यकर्ता को बनाया होता तो आज आराम से काम आ गया होता। जिसने दस साल से अपने सिर पर सब कुछ लिया, अगर उसी को जरा सा श्रेय देते तो वह ठीकरे भी अपने सिर पर फुड़वा लेता। अब क्या हो सकता है, गलती हो गई। ठीकरे हर राज्य से थोक में चले आ रहे हैं। पार्टी कार्यालय का पिछवाड़ा गोदाम की तरह ठीकरों से भर गया है। जो अपनी गरदन तक भेजने का दावा कर रहे थे अब ठीकरे भेज रहे हैं। इधर जिन्होंने सारी शक्तियां एक जगह केन्द्रित करके रखी हुई थी उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि ठीकरों का विकेन्द्रीकरण कैसे हो! लेकिन अब कुछ हो नहीं सकता। ठीकरे मुंडेर पर उगे पीपल की तरह रोज बढ़ते जा रहे हैं। समस्या ये है कि यदि समय रहते इन्हें किसी सिर पर नहीं फोड़ा गया तो ये ईंट ईंट बिखेर देंगे।

## न्यूज फ्लैश

### गल्फ ऑयल और एस-ऑयल सेवन ने भारत में विस्तार के लिए किया गठजोड़

**गुड़गांव:** हिंदुजा समूह की कंपनी और भारत की प्रमुख ल्यूब्रिकेंट विनिमार्ता, गल्फ ऑयल ल्यूब्रिकेंट्स इंडिया लिमिटेड ने एक रणनीतिक सहयोग के जरिये वैश्विक स्तर पर मशहूर एस-ऑयल सेवन रेंज का अनावरण कर भारतीय बाजार में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस भागीदारी के तहत गल्फ ऑयल, केआईए इंडिया डीलर नेटवर्क जैसे प्रीमियम ओईएम के उत्पादन, वितरण और प्रचार की देखरेख करेगी। इस व्यापक उत्पाद श्रृंखला में विभिन्न प्रकार के पैसेंजर कार गैसोलीन इंजन ऑयल वेरिएंट और एक पैसेंजर कार डीजल इंजन ऑयल वेरिएंट शामिल हैं। इसके अलावा, गल्फ के पास अपने व्यापक नेटवर्क में वैश्विक स्तर पर मशहूर एस-ऑयल सेवन रेंज के विनिर्माण और वितरण का विशेष अधिकार है, जिससे भारतीय बाजार के भीतर ब्रांड की पहुंच और प्रासंगिकता को सक्रिय रूप से बढ़ेगी। यह पहला उद्यम है, जिसके तहत एस-ओआईएल प्रोडक्ट लाइन का उत्पादन, दक्षिण कोरिया के बाहर किया जा रहा है। एस-ऑयल सेवन रेंज में विभिन्न किस्म के फुली-सिंथेटिक, सेमी-सिंथेटिक और प्रीमियम लुब्रिकेंट शामिल हैं, जिसमें ग्रुप कक्/ककक क्लास बेस ऑयल के दायरे में वेरी हाई विस्कोसिटी इंडेक्स जैसी असाधारण विशिष्टता होती है। इस असाधारण रेंज से उन्नत तकनीकी प्रदर्शन और समृद्ध ड्राइविंग का अनुभव सुनिश्चित होता है। गल्फ ऑयल ल्यूब्रिकेंट्स इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, श्री रवि चावला ने इस भागीदारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, "हम एस-ओआईएल और केआईए मोटर्स इंडिया के आभारी हैं कि उन्होंने हमें विश्व स्तरीय उत्पादन क्षमता प्रदान करने की जिम्मेदारी हमें सौंपी।

### निफटेम-के और आईएफबीए ने भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की परिकल्पना प्रस्तुत की

**गुरुग्राम।** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी आंत्रप्रिन्योरशिप एंड मैनेजमेंट ने इंड फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन के साथ मिलकर निफटेम-के कैम्पस में 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस मनाया। इस आयोजन की थीम रखी गई फूड फॉर बैटर टूमोरो - बिल्डिंग सिनर्जीस इस दौरान खाद्य सुरक्षा, सस्टेनेबल प्रैक्टिस तथा वैश्विक खाद्य परिदृश्य में भारत की केन्द्रीय भूमिका की अहमियत पर बल दिया गया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्जवलित कर के किया गया, जिसमें कई सम्मानित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित व्यक्तियों में शामिल थे- वरिष्ठ सरकारी अधिकारी एवं प्रतिष्ठित उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि। इन संगठनों में शामिल थे- आईएफबीए (इंड फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन), आईबीए (इंडियन बेवरेज एसोसिएशन), पीबीएफआईए (प्लांट-बेस्ड फूड्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) और आईएचए (इंडिया हनी अलायंस), अग्रणी एनजीओ, प्राइवेट इक्विटी फंड्स और परामर्शक कंपनियां। निफटेम-के के निदेशक डॉ हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने कहा, निफटेम-के के लिए इंड फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन व अन्य खाद्य उद्योग संगठनों के साथ मिलकर विश्व खाद्य दिवस का उत्सव मनाना एक यादगार आयोजन रहा।

### सोनाक्षी सिन्हा ने फरीदाबाद में किया कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन

**फरीदाबाद ।** फरीदाबाद के नेहरू ग्राउंड में कल्याण ज्वेलर्स के शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा शहर थम सा गया। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा द्वारा उद्घाटन किए गए इस बिल्कुल नए शोरूम में, ग्राहकों को अनेक किस्म के आभूषणों के डिजाइनों के साथ-साथ खरीदारी का एक शानदार अनुभव भी मिलेगा। कंपनी इस



क्षेत्र में अपने ब्रांड पदचिह्न और परिचालन का लगातार विस्तार कर रही है, ताकि वृद्धि को बढ़ावा दिया जा सके । बॉलीवुड स्टार सोनक्षी सिन्हा ने रोमांचित प्रशंसकों के समूह को संबोधित करते हुए कहा, फरीदाबाद में कल्याण ज्वेलर्स के इस शानदार नए शोरूम का उद्घाटन कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस उल्लेखनीय अवसर का अंग बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मेरा मानना है कि कल्याण ज्वेलर्स के विभिन्न किस्म के शानदार कलेक्शन में गरिमा (ग्रेस) का अनोखा मिश्रण है और यह हमारे देश भर की विविध परंपराओं का सम्मान है। कल्याण ज्वेलर्स के कार्यकारी निदेशक, रमेश कल्याणरमन ने नए शोरूम के बारे में अपनी टिप्पणी में कहा, ग्राहकों के लिए खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक समग्र परितंत्र बनाने की दिशा में प्रमुख कदम उठाए हैं। हमें फरीदाबाद में अपने नए शोरूम के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

# जनता ने हाथ मजबूत किए तो विकास कार्यों में नहीं आने दी जाएगी कमी: देवेंद्र

## सरपंच जसबीर बोले- समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने ऑटो रिक्शा देकर किया सराहनीय काम



**टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर**
**शहर की तरह** गांव में साफ-सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी। डोर टू डोर कचरा का उठाव होगा। स्वच्छ गन्नौर स्वस्थ गन्नौर मुहिम को आगे बढ़ाते हुए देवा सोशल वेलफेयर सोयायटी के संस्थापक एंव समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने गुरुवार को चिरस्मी ग्राम पंचायत को ई-ऑटो रिक्शा भेंट की है। गांव की जनरल चौपाल में कार्यक्रम आयोजित कर सफाई कर्मी को ऑटो की चाबी सौंपी गई, जिससे वह घर-घर जाकर कचरा कलेक्शन कर सकेगा। इससे पहले सरपंच जसबीर तूर ने ग्रामीणों के साथ मिलकर समाजसेवी देवेंद्र कादियान का फूलमाला व पगड़ी से स्वागत किया और उनके गांव को ई-ऑटो रिक्शा देने पर आभार जताया। सरपंच जसबीर तूर ने कहा कि ग्राम पंचायत में इनकम सोर्स नहीं है महज 350 रुपए की इनकम है। वह चाह कर भी गांव में विकास कार्य करवा नहीं सकते। गांव में साफ-सफाई का बुरा हाल है, अब समाजसेवी देवेंद्र ने उनके गांव में ई-ऑटो रिक्शा दी है, इसका सदुपयोग कर आज से ही डोर टू डोर कचरा उठाने का काम किया जाएगा। समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने कहा कि खुशहाल जीवन के लिए आसपास स्वच्छता का माहौल होना बेहद जरूरी है। गांव के मुखियाओं की मांग पर उनकी संस्था देवा वेलफेयर गन्नौर के गांव-गांव में ई-ऑटो रिक्शा दे रही है, ताकि घर-घर से कचरा उठाने के बाद उसे एक जगह इकट्ठा किया जा सके। ऐसा करने से गांव में सफाई रहेगी, ग्रामीण इधर-उधर कचरा नहीं फेकेंगे। उनका लक्ष्य है हर गांव में ऑटो रिक्शा दी जाए। कादियान ने भरोसा दिलाया कि गन्नौर की जनता उनके हाथ मजबूत करती है तो क्षेत्र में विकास कार्यों में कमी नहीं आने दी जाएगी, उनके कार्यों से इसका अंदाजा लगाया जा

## दो दिनों में डेंगू बुखार से ग्रस्त 11 मरीज आए सामने, जिले में कुल 251 हुआ आंकड़ा

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**
**जिले** में डेंगू का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। तीन दिनों के बाद अलग-अलग स्थानों से 11 मरीज सामने आए है। जहां तीन दिन से मरीज नहीं मिल रहे थे। विभाग ने राहत की सांस ली थी। लेकिन दो दिनों में 11 नए मरीज आने से विभाग के हड़कंप मचा हुआ है। विभाग की टीमें लगातार लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है। जिले में अब तक 251 मरीज डेंगू बुखार से ग्रस्त के आ चुके है। बता दें कि जिले में डेंगू बुखार के साथ-साथ मलेरिया का खतरा फिर से बढ़ने लगा है। शनिवार, रविवार, सोमवार तीन दिनों में एक भी मरीज सामने नहीं आया था। वहीं मंगलवार व बुधवार को आई जांच रिपोर्ट ने विभाग की चिंता को बढ़ा दिया है। दो दिनों में कुल 11 बुखार से ग्रस्त मरीज सामने आ चुके है। जिले में अब तक अलग-अलग स्थानों पर

**सावधानी बरतें**

**8 टीमें लगातार लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है। 251 मरीज डेंगू बुखार से ग्रस्त के आ चुके है**

डेंगू से ग्रस्त 251 मरीज सामने आ चुके है।
बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से अलर्ट जारी किया है। विभाग की 161 टीमें संदिग्ध क्षेत्र में जांच अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने व जांच अभियान चलाने का काम कर रही है। विभगा की तरफ से अब तक करीब 2600 टेस्ट करवाएं गए है। स्कूलों में जाकर बच्चों को लारवा पैदा न होने व सावधानी बरतने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

## खाद्य सुरक्षा विभाग व मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की शहर की दुकानों पर छापेमारी

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**
**त्योहारी सीजन** पर खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग व मुख्यमंत्री उड़नदस्ता दस्ता अलर्ट हो गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग व खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को शहर के अलग-अलग छह स्थानों पर छापेमारी की। जहां से टीम ने आठ सैंपल लेकर सील किए है। टीम ने ाार कुट्टू के ऑटे, दो देसी घी के, एक सिंघाड़े के आटे का व एक चाय की पत्ती का सैंपल लिया गया। टीम द्वारा लिए सैंपलों को जांच के लिए चंडीगढ़ लैबोरेटरी भेजा जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग को नवरात्रि के दिनों में कुट्टू व सामक के आटे में मिलावटखोरी की सूचनाओं पर विभाग द्वारा रेड की गई है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा. जोगेंद्र ने बताया की त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अब लगातार सेंपलिंग की जाएगी। बुधवार सुबह से ही सोनीपत शहर के अंदर सैंपलिंग अभियान शुरू किया गया। शहर के तिरंगा चौक स्थित दो दुकानों से, गुड़मंडी स्थित तीन दुकानों से , कच्चे क्वार्टर स्थित एक दुकान से सैंपल लिया गया। ज्यादा सैंपल नवरात्र को लेकर कुट्टू के आटे के लिए गए है। कुट्टू के आटे के कुल चार सैंपल लिए गए। जबकि एक सैंपल सिंघाड़े के आटे का, दो देसी घी के सेंपल व एक चाय की पत्ती का सैंपल लिया है। यह सैंपल अब जांच के लिए चंडीगढ़ लैब पर भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया इससे पहले गोहाना में सैंपलिंग की थी। तीनों दुकानों से कुट्टू के आटे के 3 सैंपल व देशी घी का एक सैंपल लिया था। इस दौरान टीम में एफएसओ जोगेंद्र, सहायक दीपक, इंस्पेक्टर जसमेर, एसआई सुनील, एसआई संजय, एसआई राजेश, एसआई नरेंद्र, एसआई रणवीर, दानीराम एएसआई व धर्मवीर एएसआई मौजूद रहे।

## ग्रैप के निर्देशों का उल्लंघन कर रही फक्ट्रियों को प्रदूषण विभाग ने जारी किये नोटिस

**गन्नौर: ग्रैप** के निर्देशों का उल्लंघन करने पर प्रदूषण विभाग की तरफ सख्ती बरती जा रही है। प्रदूषण विभाग की टीम लगातार जिले के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में कड़ी नजर बनाए हुए है। विभाग की टीम ने औद्योगिक क्षेत्रों का मुआयना करने के बाद प्रतिबंध के बावजूद फैक्ट्रियों में निर्माण कार्य कर रहे फैक्ट्री संचालकों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी है। एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए ग्रैप नियम लागू किया है। गैप नियम में भवन निर्माण करने व खुले में सामग्री डालने पर भी रोक लगी है। इस मामले में नगर पालिका की तरफ से लगातार नोटिस दिए जा रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि यदि आगे भी निर्माण कार्य जारी रहता है तो फिर जुर्माना भी किया जाएगा।

## एटलस फैक्टरी से चोरी करने की वारदात में शामिल तीन गिरफ्तार

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**
**सिविल लाइन** थाना क्षेत्र स्थित एटलस फैक्टरी में चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित विजय निवासी बैंयापुर, मोहित फौर उर्फ अर्जुन निवासी पानीपत, कर्मबीर उर्फ मोनू निवासी बांकनेर दिल्ली हाल में बाबा कॉलोनी, हिमांशु उर्फ जयदीप निवासी तिहाड़ खुर्द हाल में मोहन नगर का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गांव तमाशाबाद पानीपत निवासी रोहित ने 15 अक्टूबर को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह एटलस फैक्टरी

**शिकंजा**

**8 वारदात में शामिल चार आरोपितों को अब काबू किया है। आरोपितों को अदालत में पेश किया**

में बतौर गार्ड के तौर पर तैनात है। गत 15 अक्टूबर का देर शाम वह फैक्टरी में डयूटी पर तैनात था। फैक्टरी में दो मैन गेट है। वह गेट नंबर-1 से रात 10 बजे राउंड लगाते हुए दूसरे गेट पर पहुंचा। उसी दौरान उसे टार्च की लाइट दिखाई दी। वहीं फैक्टरी के दूसरे गेट पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो तीन-चार आदमी ऑटो में थिम्बलों को उठाकर डाल रहे है। उसने बैटरी की रोशनी उनकी तरफ की तो रोशनी उसे देखकर ऑटो में बैठकर फरार हो गए। उसने ऑटो का नंबर नोट कर लिया। मामले को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी सिपाही की टीम ने प्रदीप का पहले काबू कर लिया था। वारदात में शामिल चार आरोपितों को अब काबू किया है। आरोपितों को अदालत में पेश किया। ज

# हिंसा से रोजगार नहीं मिलेगा, विकास और आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए समाज की मुख्यधारा से जुड़ना जरूरी



**टीम एक्शन इंडिया/हिसार**
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत मंडपम में आयोजित 'जनजातीय युवा एक्सचेंज कार्यक्रम' के तहत 200 जनजातीय युवाओं से संवाद किया। इस मौके पर शाह ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार के प्रयासों का उदाहरण दिया।

साल 2014 के पहले तक की सरकारों ने उग्रवादी घटनाओं पर लगाम लगाने का उचित प्रयास नहीं किया, जिसका असर समाज में हिंसा और युवाओं के रोजगार पर पड़ा।

अमित शाह का स्पष्ट मानना है कि, हिंसा से रोजगार नहीं मिलेगा, जनजातीय समाज के विकास और आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए उनका समाज की मुख्यधारा से जुड़ना जरूरी है। आजादी के बाद दशकों तक वामपंथी उग्रवाद देश के लिए नासूर बना रहा। किसी भी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए कोई जन-कल्याण योजना नहीं चलाई। जनजातीय समुदाय के बच्चों का भविष्य बद से बदतर होता चला गया। लेकिन आज शाह की नीतियों के तहत वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर, सड़क और अन्य जरूरी सुविधाएं पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। देश की जनता ने देखा है कि सरकार के विरोध में हथियार उठाने और देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वर्षों से वामपंथी उग्रवादियों ने जनजातीय युवाओं को उकसाने का काम किया है। युवाओं के लिए यह समझना बेहद आवश्यक है कि वामपंथी उग्रवादी और उनकी विचारधारा देश के विकास और उज्जवल भविष्य के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि जनजातीय युवा वर्ग वामपंथी उग्रवाद की विचारधारा को खत्म करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं। साल 2014 के पहले तक उग्रवाद के कारण होने वाली घटनाएं चरम पर थी। जाहिर है कि ऐसे में प्रभावित राज्यों में हिंसा भी अत्यधिक थी जिसका सीधा प्रभाव वहां मौजूद रोजगार के अवसरों पर पड़ा। 2015 में जारी वामपंथी उग्रवाद उन्मूलन अधिनियम का उद्देश्य ही जनजातीय बहुल इलाकों में आधारभूत ढांचे का निर्माण करना है।

## रतिराम स्कूल की लड़कियों ने टीम का प्रतिनिधित्सव करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया



**गन्नौरः रतिराम मैमोरियल वरिष्ठ** माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने सिरसा में चल रही राज्यस्तरीय अंडर 17 लड़कियों की तीन दिवसीय वालीवाल प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों का स्कूल में संस्था के प्रधान रविन्द्र धनखड़ ने स्वागत किया। धनखड़ ने बताया कि प्रथम मैच में सोनीपत की टीम 23 व मेवात की टीम ने 16 अंक बनाए। दूसरे मैच में सोनीपत के 25 अंक व पानीपत ने 15 अंक बनाए। फिर अगला मैच सोनीपत ने 25 व रोहतक ने 23 नम्बर बनाए। फिर अगला मैच सोनीपत की टीम व राई स्पोर्टस स्कूल की टीम के बीच खेला गया। सोनीपत की टीम ने मैच में 24 व राई स्पोर्टस स्कूल की टीम ने 25 अंक बनाए। कठिन मुकाबले में 1 अंक से सोनीपत की टीम राई स्पोर्टस स्कूल से पराजित हुई। टीम की विजेता खिलाड़ी पिंकी, खुशी, दीपिका, बंटी, सिमरन, सारिका को धनखड़ ने बधाई देते हुए स्कूल की टीम की छात्राओं का स्वागत किया।

## सुखपाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल को मिला नंबर एक स्कूल का खिताब

**टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)**
**हरियाणा** के स्कूल सुखपाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए अत्यंत सम्मानीय बात रही कि एजुकेशन वर्ल्ड मैग्जीन ने स्कूल को हरियाणा का नंबर एक स्कूल घोषित किया। इसके साथ ही स्कूल के प्रिंसिपल को दिल्ली में अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। स्कूल की इस उपलब्धि को देखते हुए नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल्स अलायंस (निसा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कुलभूषण शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने प्रिंसिपल हरपाल सिंह को निसा आफिस में बधाई दी और सम्मानित किया। देश की प्रतिष्ठित एजुकेशन वर्ल्ड मैगजीन ने सुखपाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल को हरियाणा में कई वर्गों में पहला स्थान दिया और राष्ट्रीय स्तर पर छठा स्थान दिया है। इस मौके पर निसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कुलभूषण शर्मा का कहना है कि यह हरियाणा और निसा दोनों के लिए गर्व की बात है। देश की शिक्षा में निजी स्कूलों को बेहद अहम योगदान हैं। निजी स्कूलों से जुड़े शिक्षाविद अपनी भूमिका का शानदार तरीके से निर्वाह कर रहे हैं।

## फर्जी हैवी लाइसेंस दिखाकर कंपनी में पाई नौकरी, सड़क हादसे में गाड़ी को किया क्षतिग्रस्त

### कंपनी मालिक ने आरोपित के खिलाफ पुलिस को दी शिकायत

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**
**बहालगढ़ थाना क्षेत्र** में ट्रांसपोर्टर ने अपनी गाड़ी के चालक पर फर्जी हैवी ड्राइविंग लाइसेंस दिखाकर नौकरी लेने का आरोप लगाया है। आरोप है कि फर्जी लाइसेंस के चलते गाड़ी पलटने पर उन्हें बीमा कंपनी ने क्लेम भी नहीं दिया। जिससे उन्हें सात लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।
सेक्टर-14 निवासी संदीप कंबोज ने बहालगढ़ थाना पुलिस को बताया कि वह ट्रांसपोर्टर हैं। उनके पास गांव सरगथल का संदीप चालक था। संदीप ने उनकी फर्म में नौकरी के लिए हैवी ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया था। जिस आधार पर उन्होंने उसे चालक की नौकरी दी थी। 29 जुलाई को रोहतक के कलानौर के पास उनकी गाड़ी पलट गई थी। जब उन्होंने क्लेम का दावा किया तो बीमा कंपनी ने आरटीओ सोनीपत से चालक के लाइसेंस की जांच कराने को बोला। जब लाइसेंस की जांच की गई तो वह फर्जी मिला। चालक ने उन्हें दूसरा लाइसेंस देने का आश्वासन दिया और 2 लाख रुपये की मांग की। उन्होंने पैसे देने का आश्वासन दे दिया। जिस पर चालक ने उन्हें दूसरा लाइसेंस थमा दिया। जांच में वह भी फर्जी मिला। संदीप कंबोज का आरोप है कि उन्हें बीमा राशि नहीं मिली। करीब 7 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

# माईराम कौशिक ने किया जैनपुर में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ

## आयुष्मान चिरायु योजना गरीब लोगों के लिए हो रही वरदान साबित: माईराम कौशिक

**टीम एक्शन इंडिया/राई ।**
**जीटी रोड** पर में स्थित संजोग हॉस्पिटल द्वारा गुरूवार को गांव जैनपुर में निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया, जिसका शुभांरभ राई से विधायक मोहनलाल बड़ौली के भाई एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता माईराम कौशिक ने बतौर मुख्यातिथि किया। इस शिविर में 150 लोगों ने आखों की जांच, स्वास्थ्य जांच करवाई। विधायक के भाई एवं वरिष्ठद भाजपा नेता माईराम कौशिक ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना का विस्तारीकरण कर शुरू की गई आयुष्मान चिरायु योजना गरीब लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत गरीब लोगों को मुफ्त में 05 लाख रुपए तक का ईलाज करवाने की सुविधा दी गई है ताकि गरीब व्यक्ति भी अच्छे अस्पतालों में अपना ईलाज करवा सके। उन्होंने संजोग हॉस्पिटल का आभार जताते हुए कहा कि यह हॉस्पिटल समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन करता है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित फायदा मिलता है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वस्थ रहने के लिए समय-समय पर अपने साधारण चैकअप करवाने चाहिए ताकि बीमारी होने पर अचित ईलाज हो सके। इस मौके पर चेयरमैन विनोद त्यागी, परविंदर त्यागी, देवी सिंह, संजोग हॉस्पिटल से डॉ० एजाज, अजय सैनी, सिमरन, परवेश, राहुल, सत्या, रामेश्वर, बिजेन्द्र, बलिस्तर, रामबल, सुभाष, विनोद, अनीश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

**सुविधा**

**8 इस योजना के तहत गरीब लोगों को मुफ्त में 05 लाख रुपए तक का ईलाज करवाने की सुविधा दी गई है**

## बड़ौली गांव में हरिजन चौपाल में ग्रामीणों ने खुद रिपेयर काम करवाकर उद्घाटन किया

**टीम एक्श इंडिया/राई।**
**ग्रामीणों ने** खुद ही गांव की हरिजन चौपाल की रिपेयर के बाद बुधवार को पूरा होने पर गांव की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और चौपाल की रिपेयर पूरी होने पर उसका उद्घाटन किया। उनका कहना कि उन्हें सरकार की तरफ से कोई मदद नही मिली। चौपाल का उद्घाटन गांव के बुजुर्ग पंडित बलवान नंबरदार ने 11 हजार रूपए की सहयोग राशी देकर किया। बड़ौली गांव के पंडित बलवान नम्बदार ने कहा कि हरिजन चौपाल का निर्माण 1958 में हुआ था। यह चौपाल कई वर्षो से खस्ताहाल में है, जिसके कारण



ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कई बार सरकार के नाम शिकायत लिखी और चौपाल के हालात सुधारने की मांग की, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इसके बाद ग्रामीणों ने खुद ही चौपाल की रिपेयर करने का कार्य शुरू किया और आपस में एक-दूसरे की मदद पाकर उसे पूरा कर लिया है। चौपाल की रिपेयर पूरी होने पर आयोजित किए कार्यक्रम में रोहताश, कर्मचंद, रमेश पहलवान, प्रधान उज्जवल आंतिल, पंडित तुलेराम,प्रेम, रामे, रामबाज, हवासिंह ,प्रताप कर्मा, महावीर आंतिल, रामफल, जयभगवान, तिलकराज, आदि मौजूद थे।

# प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं के लिए फायदेमंद है 'वाटर एक्सरसाइज'

गर्भावस्था एक ऐसा समय है, जब महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष रूप से ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था में महिला का स्वस्थ एवं पौष्टिक खानपान के साथ उस दौरान सक्रिय रहना भी जरूरी होता है। अक्सर डॉक्टर सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिला को कुछ हल्की शारीरिक गतिविधियां करनी चाहिए, जिससे जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहें और बच्चे का विकास भी अच्छे से हो सके। इसके अलावा, यदि महिला उस दौरान सक्रिय रहती है, तो डिलवरी आसानी से होने में भी मदद मिलती है, लेकिन अधिकतर महिलाएं यह नहीं जानती कि उनके और बच्चे के लिए कौन से व्यायाम करना सुरक्षित है।

यदि आप गर्भवती हैं और आप कुछ शारीरिक गतिविधियों की तलाश कर रही हैं, तो आइए हम आपको कुछ कौन सी एक्सरसाइज करना लिए फायदेमंद होगा। इसका जवाब है पानी की एक्सरसाइज, जो आपके और आपके बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद होंगी। आइए जानते हैं गर्भावस्था के दौरान पूल एक्सरसाइज के फायदे।

## गर्भावस्था में डायबिटीज का खतरा कम

पूल एक्सरसाइज करने से आपको और आपके बच्चे दोनों को फायदा होता है, यह एक्सरसाइज न केवल महिला को डिलिवरी में आसानी और दर्द को कम करती है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान होने वाली डायबिटीज के खतरे को भी कम करती है। एक अध्ययन के अनुसार, यदि गर्भवती महिला दिन में 30 मिनट के लिए कुछ पानी वाली एक्सरसाइज जैसे पूल एक्सरसाइज करती है, तो उसे गर्भावस्था में डायबिटीज का खतरा नहीं होता।

## पैरों की सूजन को कम करती है

पानी वाले व्यायाम गर्भावस्था के दौरान पैरों में होने वाली सूजन को दूर करने में भी मददगार हैं। गर्भावस्था के दौरान आपका बच्चा आपके पेट के निचले आधे हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन को रोकता है, जिसकी वजह से पैरों में सूजन आना सामान्य होता है। पानी के व्यायाम से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं बच्चे के दबाव के कारण होने वाली सूजन एवं ऐंठन को कम करने में मदद मिल भी मदद मिल सकती है, क्योंकि पानी शरीर को भिगोता है और आपके निचले आधे हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन में मदद करता है।

## बेहतर नींद में मददगार

गर्भावस्था के दौरान कई महिलाओं में अनिद्रा या नींद में कमी की शिकायत देखने को मिलती है। कई बार गर्भावस्था के दौरान पेट में दर्द और बच्चे की हरकत करने की वजह से महिला की नींद उड़ जाती है, ऐसे में आप यदि पूल एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आपको बेहतर नींद में मदद मिलती है।

## कमर दर्द से राहत

गर्भावस्था में कमर में दर्द पैरों में सूजन की तरह सामान्य है, लेकिन इस दौरान होने पर पीठ दर्द से राहत पाने के लिए कोई भी हीटिंग पैड पीठ दर्द में वास्तव में मददगार साबित नहीं होता है। पानी वाली एक्सरसाइज जैसे तैराकी गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को पीठ दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं।

## मॉर्निंग सिकनेस को कम करे

हर महिला इस स्थिति से जूझती है, गर्भावस्था के दौरान मॉर्निंग सिकनेस से जूझना बहुत ही सामान्य है, लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं नियमित रूप से पानी वाली एक्सरसाइज करती हैं, उनमें गर्भवती होने के दौरान मॉर्निंग सिकनेस कम महसूस होती है।

# 1 गिलास जूस बनाएगा लिवर को हेल्दी

## लिवर कभी नहीं होगा खराब!

लिवर हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से चल सकने में मददगार कई काम करता है। जैसे लिवर ही ग्लूकोज से बनने वाले ग्लाइकोजन को संग्रहित करता है। आप जो भी खाते हैं, उससे शरीर को लाभ पहुंचाने का असली काम लीवर (Liver infection) से ही शुरू होता है। असल में लिवर पचे हुए भोजन से वसाओं और प्रोटीनों यानी सभी पोषक तत्वों को नसों तक पहुंचाता है। डीटॉक्सीफिकेशन भी लिवर का एक अहम काम है, जो आपको रोगों से बचाए रखने के लिए बेहद ही जरूरी है। कंसल्टेंट न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. रूपाली दत्ता के अनुसार, एकमात्र अंग जो खुद को साफ करता है, वह लिवर है। हम जो भी खाते हैं, वह यकृत यानी लिवर द्वारा सफाई किया जाता है। इसलिए, स्वस्थ भोजन खाना जरूरी है, क्योंकि इससे लिवर पर बुरा असर नहीं होता।

अगर आप अपने खानपान का ध्यान नहीं रख रहे है तो यह लीवर को कई तरह की परेशानियां दे सकता है। जैसे लीवर खराब होना लीवर इंफेक्शन ऐसे में आपको पता होना जरूरी है कि लीवर डेमेज होने के लक्षण कैसे होते हैं, ताकि आप उसे सही समय पर पहचान कर सावधानी बरत सकें। डीके पब्लिशिंग की किताब 'हीलिंग फूड्स' के अनुसार, लीवर को इसके लिए जितनी भी मदद मिल सकती है करना जरूरी है। लीवर हमारे द्वारा खाए गए हर आहार और एनवायरमेंटल टॉक्सिन को तोड़ने का काम करता है। यह आपकी पूरी सेहत के लिए एक अहम काम है, जो सिर्फ लीवर, जिसे जिगर भी कहा जाता है, करता है। तो अब आप समझ चुके होंगे कि लीवर का सही रहना आपके लिए कितना जरूरी है। एक हेल्दी लीवर आपको हेल्दी लाइफ दे सकता है। तो अगर आप अपने लीवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहते हैं, तो आपको करने होंगे कुछ हेल्दी जतन। और इस जतन में हम कर सकते हैं आपकी मदद। जी हां, हम आपको बताते हैं एक ऐसे जूस के बारे में जो आपके लीवर को बनाएगा हेल्दी और मजबूत। आपको करना बस यह है कि एक 4 सामग्री वाले जूस को अपने आहार में शामिल करना है। हम बात कर रहे हैं इस 4-घटक यानी चीजों से बने जूस की। इसे गाजर, सेब, अंगूर और टकसाल का उपयोग करके बनाया जाता है। यह हेल्दी जूस लीवर के लिए एक शुद्ध पेय के रूप में कार्य करता है और यकृत में प्राकृतिक विषहरण प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है।

### लिवर से जुड़ी बीमारियों के कारण, लक्षण और बचाव

इस जूस में इस्तेमाल की गई हर चीज लिवर के स्वास्थ्य को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाती है। यह चार पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें एंजाइम होते हैं, जो जिगर को विषाक्त पदार्थों को ज्यादा अच्छी तरह से तोड़ने में मदद करते हैं। गाजर की कैरोटीनॉयड सामग्री शरीर के अंदर ऑक्सीडेटिव क्षति को रोकने में मदद करती है। पुदीना में हिपेटोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं और सेब की त्वचा में मौजूद ट्राइटरपीनोइड्स में लीवर कोशिकाओं के लिए शक्तिशाली सुरक्षात्मक गतिविधि होती है। इस जूस में न केवल स्वास्थ्य लाभकारी गुण होते हैं, बल्कि यह काफी स्वादिष्ट भी होता है। आप इसे नाश्ते में ले सकते हैं और अपने दिन को एक स्वस्थ शुरुआत दे सकते हैं।

# रेसिपी

## काजू मटर



- तेल: 1 टेबलस्पून
- काजू: 60 ग्राम
- गर्म दूध: 110 मिली
- टमाटर: 25 ग्राम
- अदरक: 1 टीस्पून
- काजू पाउडर: 2 टेबलस्पून
- जीरा: 1 टीस्पून
- हींग: 1/4 टीस्पून
- धनिया के सूखे पत्ते: 1 टीस्पून
- लाल मिर्च: 1/4 टीस्पून
- हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 1 टीस्पून
- हरे मटर: 200 ग्राम
- चीनी: 1 टेबलस्पून
- नमक: 1 टीस्पून
- पानी- 200 मि.ली
- गर्म मसाला- 1/2 टीस्पून

### विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फ्राई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फ्राई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर, अदरक, काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर, लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बनाकर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भुने हुए मसाले में अब हल्दी, सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर,चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए, तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

## पटेटो सूप



- शकरकंदी: 2
- शिमला मिर्च: 2 (कटी हुई)
- ऑलिव ऑयल: 4 टेबलस्पून
- प्याज: 2 (मोटे कटे हुए)
- धनिया: 2 स्टिक (कटा हुआ)
- लौंग, लहसुन पेस्ट: 4 टीस्पून
- चिकन: 1 लीटर (स्टॉक क्यूब)
- काली मिर्च: 1 चिंच
- लाल मिर्च पाउडर: 0.5 टीस्पून
- नमक: 1 चिंच
- चिली फ्लेक्स: 0.5 टीस्पून (गार्निश के लिए)
- बीन स्प्राउट्स: 5 ग्राम (गार्निश के लिए)
- क्रीम फ्रैश: 50 मि.लीटर (गार्निश के लिए)

### विधि

ओवन को 180°C तक प्रीहीट करें। बेकिंग शीट पर शिमला मिर्च और शकरकंदी रख कर उस पर तेल लगाने के बाद उसे 20-25 मिनट तक रोस्ट कर लें। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें प्याज और धनिया को 1 मिनट तक फ्राई करके इसमें रोस्ट शकरकंदी डालकर पका लें। इसके बाद इसमें चिकन स्टॉक क्यूब और सारी सामग्री डालकर 20-25 मिनट तक सब्जियों के सॉफ्ट होने तक पकाएं। अब इसमें क्रीम डालकर इसे बीन स्प्राउट्स और चिली फ्लेक्स के साथ गार्निश करें। आपका रोस्टेड स्वीट पटेटो सूप बन कर तैयार है। इसे बाउल में डालकर गर्मा-गर्म सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्व निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेंगे। शुभांक-4-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में न पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-3-5

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानियां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

**तुला** (रा री रू रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

## काकुरो पहेली - 2622

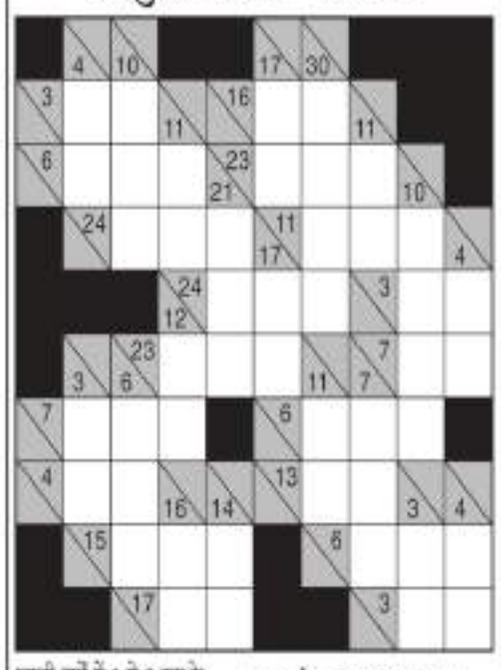



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

### काकुरो - 2621 का हल



## लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

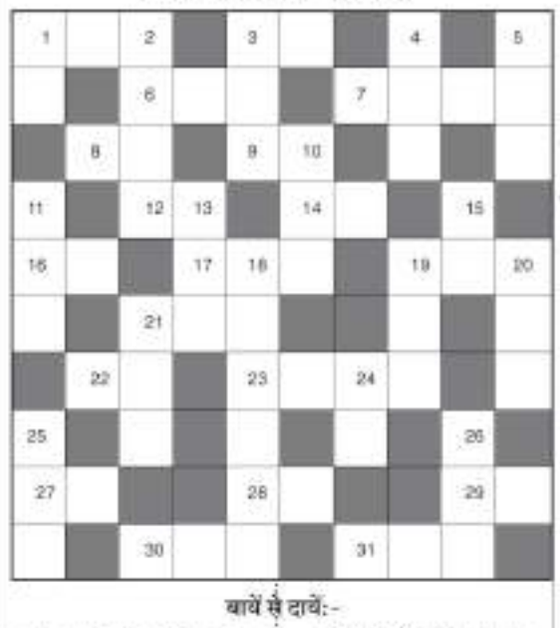

## फिल्म वर्ग पहेली - 2622



### बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाक्षी की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'ये हसीनों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, छवि, पूनम की 'ये चला चाहत चले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आशीष विनेमा की 'चीना' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'दिल तू मेरी मों' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँधी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

### ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. अभिताभ, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैसी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'वतन से चली' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तेरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-३,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-२
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली - 2621

## सूडोकु -2622

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | | | | 1 | | | |
| 5 | 4 | | | 6 | 8 | | 1 | 3 |
| | | 1 | | 7 | | 9 | 5 | |
| | 8 | 9 | | 5 | 3 | | 4 | 7 |
| | | | | | | | | |
| 6 | 1 | | 4 | 9 | | 2 | 3 | |
| | 3 | 4 | | 1 | | 8 | | |
| 7 | 5 | | 8 | 3 | | | 2 | 4 |
| | | | 6 | | | | 7 | 9 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2621 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 6 | 2 | 3 | 4 | 1 | 7 | 5 | 8 |
| 1 | 4 | 8 | 9 | 7 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 5 | 7 | 3 | 2 | 6 | 8 | 1 | 4 | 9 |
| 3 | 2 | 1 | 6 | 9 | 4 | 8 | 7 | 5 |
| 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 2 | 9 | 3 | 6 |
| 6 | 9 | 5 | 8 | 3 | 7 | 4 | 1 | 2 |
| 8 | 3 | 4 | 7 | 2 | 6 | 5 | 9 | 1 |
| 2 | 1 | 6 | 4 | 5 | 9 | 3 | 8 | 7 |
| 7 | 5 | 9 | 1 | 8 | 3 | 2 | 6 | 4 |

## शब्द पहेली -2622

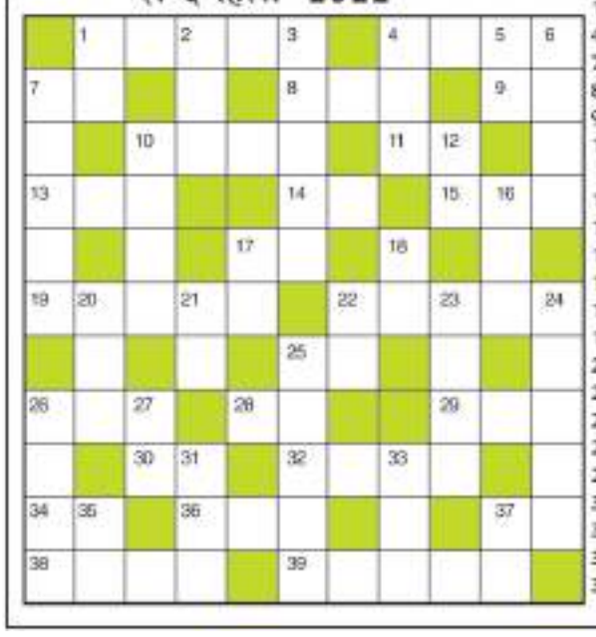



### बाएँ से दाएँ

1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,कल्पा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रखने आवास,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,मुद्रा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

### ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. भावुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. डर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नाज,अहंतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

### शब्द पहेली -2621 का हल

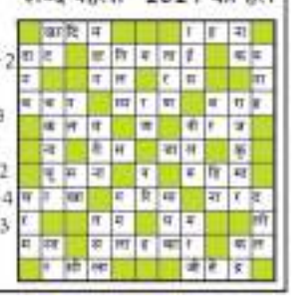

## सुजी बेट्स ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, टी20 में बनाए सर्वाधिक रन

**वेलिंग्टन।** न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर सुजी बेट्स ने सर्वाधिक रनों के भारतीय दिग्गज विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बेट्स ने दक्षिण अफ्रीका महिलाओं के खिलाफ 38 गेंदों में 45 रन बनाकर यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि उनकी यह पारी टीम के काम नहीं आई और उनकी टीम को 11 रनों से हार मिली। बेट्स अब 149 टी20 मुकाबलों में 29.78 की औसत से 4021 रन बना चुकी है जिसमें 26 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। पिछले टी20 विश्व कप में अपना आखिरी टी20 मैच खेलने वाले कोहली ने 115 मैचों में 52.73 की औसत से 4008 रन बनाए हैं, जिसमें 37 अर्धशतक और एक शतक शामिल है।

महिला क्रिकेट की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग 132 टी20 मुकाबले में 36.61 की औसत से 3405 रन के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं, जिसमें 15 अर्द्धशतक और दो शतक शामिल हैं। इसी तरह हरमनप्रीत कौर का नाम है जिन्होंने 155 मैचों में 28.16 की औसत से 3154 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल है।

### भारत के खिलाफ मैच से पहले बोले सेंटनेर, भारत को हराना कठिन

**चेन्नई ।** न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनेर का मानना है कि भारत को उसकी धरती पर हराना कठिन है और विश्व कप में रविवार को दो अपराजेय टीमों के बीच धर्मशाला के होने वाले आगामी मुकाबले में उनके लिए हालात को आंकना और फॉर्म में चल रहे रोहित शर्मा के बल्ले पर अंकुश लगाना अहम होगा। न्यूजीलैंड ने अभी तक विश्व कप में अहमदाबाद, हैदराबाद और चेन्नई में खेलते हुए चारों मैच जीते हैं। अब उसे धर्मशाला में भारत से खेलना है। सेंटनेर ने कहा, 'हमें पता है कि भारत को उसकी धरती पर हराना कठिन है। हमें धर्मशाला में विकेट का आकलन अच्छे से करना होगा। उन्होंने कहा, 'विकेट में थोड़ी रफ्तार और उछाल है। लेकिन देखना यह होगा कि क्या यह उस दिन तक रहेगा। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजी के दौरान पावरप्ले महत्वपूर्ण होगा। जिस तरह से रोहित उन्हें शुरूआत दे रहा है, हमें उसके बल्ले पर रोक लगानी होगी। सेंटनेर ने कहा, 'हमें पूरे दो अंक लेने हैं और हर मैच में हमारा यही लक्ष्य है, सामने चाहे कोई भी टीम हो। हमने अब तक इस टूर्नामेंट में हालात के अनुरूप खुद को बखूबी ढाला है। उन्होंने कहा, 'हमने जिन मैदानों पर खेला है, सभी की पिच लग थी। भारत के खिलाफ भी हमें खुद को हालात के अनुरूप ढालना होगा। इस मैच से पहले तालिका में शीर्ष पर रहना अच्छी बात है लेकिन यह लंबा टूर्नामेंट है और अपनी स्थिति मजबूत बनाये रखना जरूरी है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिये आईपीएल खेल चुके सेंटनेर के लिये यह मैदान नया नहीं था जिन्होंने तीन विकेट लिये और एक बेहतरीन कैच भी लपका। उन्होंने कहा, 'हम आईपीएल में इन विकेटों पर खेल चुके हैं। वैसे इस मैच में पिच में उछाल और टर्न अधिक था।

### ब्राजील के विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में घुटने की चोट के बाद रोते हुए बाहर गए नेमार

**मोंटेवीडियो (उरूग्वे)।** उरूग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 2.0 से मिली हार के दौरान पहले हाफ में घुटने में चोट लगने के कारण ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार रोते हुए मैदान से बाहर गए। 31 वर्ष के नेमार 44वें मिनट में दौड़ते हुए गिर गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया जब वह घुटना पकड़कर बैठे थे। उन्हें जब स्ट्रेचर पर ले जाया गया तो उन्होंने अपने हाथों से चेहरा ढक लिया था। उनकी जगह रिचार्लिसन ने मैच खेला। वह बैसाखियों के सहारे स्टेडियम से बाहर गए। ब्राजील के डॉक्टर रौद्रिगो लसमार ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि उनकी चोट किस स्तर की है। उन्होंने कहा, 'हमने टेस्ट किए हैं और कल फिर करेंगे। इन 24 घंटों में पता चलेगा कि चोट कैसी है।

# विश्व कप 2023: न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 149 रन से दी मात

**चेन्नई।** विश्वकप 2023 का अब तक का सफर न्यूजीलैंड टीम के लिए बहुत ही शानदार गुजरा है। अब तक खेले चार मैचों में जीत मिलने से साथ कीवी टीम ने प्रतिद्वंद्वी टीम को लम्बे अंतर से हराकर अपना नेट रनरेट भी काफी बेहतर कर लिया है। इसी कड़ी में बुधवार को चेपक के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 149 रन के विशाल अंतर से हराया। इस जीत से साथ न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हो गई है।

न्यूजीलैंड की ओर से मिले 289 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। अफगानिस्तान ने 27 के कुल स्कोर पर ही रहमानुल्लाह गुरबाज (11) और इब्राहिम जादरान (14) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद भी नियमित अंतराल में विकेट गिरते रहे, जिसके चलते टीम दबाव में ही रही। हालांकि इस बीच रहमत शाह ने कुछ संघर्ष करते हुए 36 रन बनाए। वहीं, अजमतुल्लाह उमरजई (27) ने लेकिन वह नाकाफी था। जबकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी (8), मोहम्मद नबी (7) और राशिद खान (8) पूरी तरह फेल रहे। इस वजह से अफगानिस्तान की पूरी टीम 34.4 ओवर में 139 रन पर ही सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए लोकी फरगुसन और मिशेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट झटके। जबकि ट्रेंट बोल्ट को दो, मैट हेनरी व रचिन रविंद्र को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 288 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए सुपा बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने 71 रन, कप्तान टॉम लैथम ने 68 रन और विल यंग ने 54 रन बनाए। इसके अलावा, रचिन रविंद्र (32), मार्क चैपमैन (25) और डेवोन कॉनवे ने 20 रन का योगदान किया। अफगानिस्तान के लिए नवीन उल हक और अजमतुल्ला ओमरजई ने दो-दो विकेट लिए। जबकि मुजीब उर रहमान और राशिद खान के खाते में एक-एक सफलता रही।

रहमत का थोड़ा साथ जरूर दिया

## टॉम लैथम का कैच दो बार छोड़ना अफगानिस्तान को भारी पड़ा: जोनाथन ट्रॉट

**चेन्नई।** बुधवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में वनडे विश्व कप 2023 के 16वें मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान की 149 रन से हार के बाद, अफगानी टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि न्यूजीलैंड ने मैच में अच्छा प्रदर्शन किया।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि टॉम लैथम का कैच दो बार छोड़ने का खामियाजा अफगानिस्तान को भुगतना पड़ा।

ट्रॉट ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा खेला, लेकिन उन्होंने खुद को अंदर कर लिया, जैसा कि हमने देखा कि जैसे ही हमारे बल्लेबाज थोड़ा सा अंदर आए, ट्रैक पर बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान हो गया। लेकिन हम लंबे समय तक ऐसा नहीं कर सके। दुर्भाग्य से हमने दो कैच भी छोड़े - मुझे लगता है कि हमने लैथम का कैच दो बार छोड़ा, जिसकी हमें थोड़ी कीमत चुकानी पड़ी। ट्रॉट ने कहा कि मिसफील्डिंग दबाव के कारण नहीं दबाव नहीं है। मुझे लगता है कि हाल ही में जब से मैं प्रभारी बना हूं, तब से यह कुछ ज्यादा ही हो रहा है। इसलिए, यदि आप आंकड़ों पर नजर डालें, तो दुर्भाग्य से, यह पक्ष कैच के मामले में सबसे निचले पायदान पर है। इसलिए इसमें सुधार की जरूरत है और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिस पर हमने प्रशिक्षण में वास्तव में कड़ी मेहनत की है, हमें इसे अब खेलों में करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम पहले गेंदबाजी करते हैं तो कभी-कभी हम उम्मीद करते हैं कि हमारे स्पिनर विपक्षी टीम को मात देंगे। मुझे लगता है कि उनसे यही उम्मीद है। और जब विकेट उतना प्रतिक्रियाशील नहीं होता है, तो शायद, वे थोड़ा अधिक दबाव में होते हैं मुझे लगता है कि स्पिनरों के साथ गेंदबाजी करना और दूसरी तरफ दबाव बनाना हर किसी की जिम्मेदारी है, इसलिए यह सब साझेदारी में गेंदबाजी करने के बारे में है, मुझे लगता है कि कभी-कभी हम साझेदारी में सही ढंग से गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। कई बार हम खुद को वास्तव में अच्छी स्थिति में पाते हैं जैसा कि हमने आज किया, लेकिन हम इसका फायदा नहीं उठा पाए।'

है और उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि हाल ही में वनडे विश्व कप 2023 में यह कुछ ज्यादा ही हो रहा है।

उन्होंने कहा,मैं कहूंगा कि यह

## विश्व कप : मिशेल सेंटनर ने एकदिनी क्रिकेट में पूरे किये 100 विकेट

**चेन्नई।** न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर मिशेल सेंटनर ने यहां एमए चिदम्बरम स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप मैच के दौरान अपने 100 एकदिवसीय विकेट पूरे किये।

मैच से पहले सेंटनर वनडे क्रिकेट में 100 विकेट से सिर्फ एक विकेट दूर थे। उन्होंने मैच में 7.4 ओवर में 39 रन देकर 3 विकेट लिए और वनडे विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज (14) भी बन गए। अपने 98वें मैच में गेंदबाजी करते हुए, 31 वर्षीय

खिलाड़ी ने मोहम्मद नबी को राउंड द विकेट फंसाकर उनका विकेट लिया और अपना 100वां एकदिवसीय विकेट पूरा किया और हमवतन दिग्गज डेनियल विटोरी के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले अपने देश क दूसरे स्पिनर बने। सेंटनर ने 93 वनडे पारियों में 36.04 की औसत और 4.85 की इकोनॉमी के साथ 102 विकेट लिए हैं।

## अफगानिस्तान के स्पिनर अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली और मजबूत हैं : ग्लेन फिलिप्स

**चेन्नई।** कीवी बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने कहा कि अफगानिस्तान के स्पिनर अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली और मजबूत हैं। मैच के बाद ग्लेन फिलिप्स ने कहा कि कीवी टीम ने चेन्नई में जिस तरह से बल्लेबाजी की वह वाकई बहुत अच्छी थी। फिलिप्स ने चैपमैन और सैंटनर की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अद्भुत शैली में खेल समाप्त किया। ग्लेन फिलिप्स ने कहा, अफगानिस्तान के स्पिनर अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली और मजबूत हैं। मुझे और टॉम को शुरुआत में कुछ विकेट गंवाने के बाद बीच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखना वाकई सुखद था। जिस तरह से हमने यहां बल्लेबाजी की, वह वास्तव में अच्छा था, खासकर धूल भरे ट्रैक पर। यह बहुत अच्छा था कि हमने कैसे खेला। हम इसे अंत तक ले जाने और रन बनाने में सक्षम थे। हमने सोचा था कि अगर हम दोनों पिच पर होंगे तो हम अंतिम 6 ओवर में 60 रन बना पाएंगे। चैपमैन और सेंटनर ने जिस तरह से इसे समाप्त किया वह अद्भुत था। हम ऐसे माहौल में हैं जहां हम एक-दूसरे के लिए काम करते रहते हैं और एक टीम के रूप में खेलते हैं। हम एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को वास्तव में अच्छी तरह से समझते हैं। दूसरी ओर, कीवी कप्तान टॉम लैथम ने स्वीकार किया कि वे खेल में कई बार दबाव में थे और कहा कि अफगानिस्तान ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने आगामी मैच के बारे में लैथम ने कहा कि उम्मीद है कि लय बनी रहेगी। टॉम लैथम ने मैच के बाद कहा, एक और शानदार प्रदर्शन। हमें कभी-कभी दबाव में ढाल दिया गया।

## भारत-न्यूजीलैंड मैच की टिकटों को लेकर क्रिकेट प्रेमियों का स्टेडियम के बाहर हल्ला

**धर्मशाला।** आईसीसी विश्व क्रिकेट कप के 22 अक्टूबर को धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मैच को देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह है। धर्मशाला को मिले पांच मैचों में भारत यहां एक मात्र मैच न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। ऐसे में इस मैच की टिकटों के लिए क्रिकेट प्रेमियों में होड़ मची हुई है। टिकटों की खरीद के लिए बड़ी संख्या में बुधवार को युवा एचपीसीए स्टेडियम के मुख्य गेट के समीप काउंटर पर पहुंच गए। लेकिन काफी देर तक काउंटर न खुलने से नाराज युवाओं ने एचपीसीए पर टिकटें ब्लैक करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। युवा दर्शकों का कहना था कि वह सुबह से ही टिकट खरीदने के लिए लाइनों में लग गए थे लेकिन तीन से चार घंटे बाद भी काउंटर नही खुला। उन्होंने बताया कि कुछेक समाचार पत्रों में टिकट काउंटर पर ऑफलाइन टिकटें मिलने की खबर पढ़कर ही वह यहां आए हैं लेकिन काउंटर को नही खोला गया।

**टिकटों को ब्लैक करने का लगाया आरोप**

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों के पास ऑफलाइन टिकटें हैं जबकि अभी तक इस मैच को लेकर एक बार भी काउंटर नही खोला गया है। ऐसे में उन लोगों के पास कहां से वह टिकटें आई हैं यह सोचनीय विषय है। उनका कहना था कि इससे साफ है कि कुछ लोगों ने ही टिकटें ब्लैक की और उन्हें बेचा गया। उन्होंने इसमें एचपीसीए के भी लोगों की मिलीभगत का आरोप लगाया है। टिकट खरीदने आए युवाओं ने कहा कि उन्हें लंबे समय से इस मैच का इंतजार था और वह ऑफलाइन टिकटें खरीदना चाह रहे थे ताकि उन्हें सस्ती टिकटें मिल सकें। उन्होंने एचपीसीए से ऑफलाइन टिकट के लिए जल्द काउंटर खोलने की मांग की है। उधर एचपीसीए के निदेशक संजय शर्मा ने बताया कि फिलहाल इस मैच के लिए सभी टिकटों की बिक्री ऑनलाइन ही हुई है। ऑफलाइन टिकटें नही बेची गई हैं। उन्होंने कहा कि इस मैच की लगभग सभी टिकटें ऑनलाइन बिक चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस मैच के लिए कोई भी ऑफलाइन काउंटर नही लगाया गया है और नही लगेगा क्योंकि सभी टिकट कंपनी द्वारा टिकटें ऑनलाइन ही बेची गई हैं। उन्होंने बताया कि हालांकि इससे पूर्व हुए तीन मैचों के लिए ऑफलाइन टिकटें उपलब्ध थीं तो काउंटर लगाए गए थे।

## मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर अपनी लेम्बोर्गिनी में रोहित शर्मा हुए ओवरस्पीड, कटे 3 चालान

**मुंबई।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के मुंबई-पुणे हाईवे पर नीली लेम्बोर्गिनी को ओवरस्पीड चलाने पर तीन चलान कटे हैं। रोहित पाकिस्तान से जीत के बाद मुंबई स्थित घर लौट गए थे। वह पुणे में आगामी मुकाबले के लिए अपनी कार में मुंबई से निकले थे। इस दौरान पाया गया कि उन्होंने 200 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ी चलाई। क्योंकि क्रिकेट विश्व कप 2023 जारी है, हाईवे पर ट्रैफिक हैवी रहता है ऐसे में रोहित के इस व्यवहार से सभी चिंता में पड़ गए हैं। यातायात विभाग की मानें तो रोहित ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर आश्चर्यजनक रूप से 200 किमी/घंटा से भी अधिक गति और कभी-कभी तो 215 किमी/घंटा से भी ऊपर की रफ्तार से कार चलाई। इन खतरनाक ड्राइव के कारण उनके वाहन की नंबर प्लेट पर तीन ऑनलाइन ट्रैफिक चालान जारी किए गए हैं। रोहित पवन हंस हेलीकॉप्टर के जरिए अहमदाबाद से मुंबई तक आए थे। अपने परिवार के साथ दो दिन बिताने के बाद कप्तान ने पुणे पहुंचने के लिए अपनी कार चुनी।



ट्रैफिक विभाग के एक सूत्र ने टिप्पणी की कि विश्व कप के ठीक बीच में भारतीय कप्तान का हाईवे पर गाड़ी चलाना उचित नहीं है। उसे टीम बस में यात्रा करनी चाहिए और उसके साथ पुलिस की गाड़ी होनी चाहिए। रोहित शुरूआत से ही गाड़ियों के प्रति आकर्षित रहे हैं। उनके पास एक लग्जरी गाड़ियां हैं जिपर समय समय पर वह ड्राइव करते दिखते हैं। टीम इंडिया जब एशिया कप जीतकर मुंबई पहुंची थी तब भी रोहित को अपनी नीली लेम्बोर्गिनी को ड्राइव करते देखा गया था।बता दें कि टीम इंडिया की क्रिकेट विश्व कप में स्थिति बेहद अच्छी बनी हुई है। टीम इंडिया ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले खेले हैं, जिनमें सभी में उन्हें जीत हासिल हुई है। रोहित ने अफगानिस्तान के खिलाफ 131 तो पाकिस्तान के खिलाफ 86 रनों की तूफानी पारी खेली थी। टीम इंडिया ने अब पुणे के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला खेलना है।

## रिजवान को खेल के मैदान में नमाज पढ़ने के लिए किसने कहा? : पीसीबी के विरोध में आया पूर्व पाक क्रिकेटर

**कराची।** पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में भारत के खिलाफ शिकायत करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आलोचना की है। पीसीबी ने पिछले हफ्ते नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 मैच के दौरान अहमदाबाद में दर्शकों द्वारा अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। पीसीबी ने इस संबंधी अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट भी की गई थी जिसमें आईसीसी से इस मुद्दे पर कार्रवाई मांगी गई थी।

पीसीबी का उक्त ट्वीट जब दानिश कनेरिया ने देखा तो उन्होंने पाकिस्तान बोर्ड को सलाह दी कि वह दूसरों में गलतियां न ढूंढे। उन्होंने लिखा- पाकिस्तानी पत्रकार जैनब अब्बास से किसने कहा था कि भारत और हिंदुओं के खिलाफ टिप्पणी करे? मिकी आर्थर को आईसीसी इवेंट को बीसीसीआई इवेंट कहने के लिए किसने कहा था? रिजवान को खेल के मैदान में नमाज पढ़ने के लिए किसने कहा था? दूसरों में दोष मत ढूंढो!

बहरहाल, पीसीबी के एक बयान में कहा था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तानी पत्रकारों के लिए वीजा में देरी और मौजूदा विश्व कप 2023 के लिए पाकिस्तान प्रशंसकों के लिए वीजा नीति स्पष्ट न होने संबंधी, आईसीसी के समक्ष औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। यह शिकायत अहमदाबाद में हुए भारत बनाम पाक मैच को लेकर थी।

बता दें कि भारत-पाकिस्तान मैच के बाद टीम निदेशक मिकी आर्थर ने भी दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में उनकी टीम को मिले अपर्याप्त समर्थन पर निराशा व्यक्त की थी।

उन्होंने कहा था कि ईमानदारी से कहूं तो यह आईसीसी इवेंट जैसा नहीं लग रहा। यह एक द्विपक्षीय श्रृंखला की तरह लग रहा था।व ऐसा लग रहा था जैसे यह बीसीसीआई का कोई आयोजन हो। मैंने आज रात माइक्रोफोन के माध्यम से 'दिल दिल पाकिस्तान' बहुत बार नहीं सुना।

# पीसीबी की दर्शकों के व्यवहार पर की गई शिकायत पर कार्रवाई की संभावना नहीं

**नई दिल्ली ।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की अहमदाबाद में भारत के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान दर्शकों के कथित अभद्र व्यवहार को लेकर की गई शिकायत पर कार्रवाई होने की संभावना नहीं है क्योंकि नस्लभेदी संहिता केवल व्यक्तिगत मामलों तक सीमित है और उसके तहत एक समूह नहीं आता है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से भी अधिक दर्शक मौजूद थे। पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए पाकिस्तानी मूल के तीन अमेरिकी दर्शक ही उपस्थित थे।

मोहम्मद रिजवान जब आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे तो दर्शकों के एक समूह ने धार्मिक नारेबाजी की, इसके बाद पीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सामने शिकायत दर्ज कराई। पाकिस्तान के क्रिकेट निदेशक मिकी आर्थर ने स्वीकार किया था कि भारत के हाथों सात विकेट की हार के दौरान उनके खिलाड़ी दर्शकों के शोर से परेशान थे। ऐसा समझा जाता है कि आईसीसी ने शिकायत पर संज्ञान लिया है और यह उस पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का पता लग रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी में काम कर चुके एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'आईसीसी प्रत्येक शिकायत को बेहद गंभीरता से लेती है लेकिन संहिता व्यक्तियों को लेकर है। मैं नहीं जानता कि पीसीबी क्या चाहता है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई करना बेहद मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'अगर नस्लीय भेदभाव के आरोप हैं तो आईसीसी व्यक्ति की पहचान कर सकती है लेकिन जब हजारों लोग नारे लगा रहे थे तो आप कुछ नहीं कर सकते। स्टेडियम में फेंकी गई किसी वस्तु से कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हुआ। दर्शकों से पक्षपात पूर्ण रवैए की उम्मीद थी। बड़े मैचों में इस तरह का दबाव होता है।'

ACTION INDIA

# एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2 एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 20 अक्टूबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

## सुभाष रामलीलाः राम केवट संवाद, भरत मिलाप की लीला का हुआ मंचन

### सुभाष रामलीला मे चित्रकूट पर भरत मिलाप, कैकई भरत संवाद ने दर्शकों को भावुक कर दिया। भरत मिलाप देख दर्शकों की आंखें भर आई

**बाहरी** दिल्ली की सबसे बड़ी व पुरानी सुभाष रामलीला का मंचन 1947 से हो रहा है। हमारा प्रयास रहता है कि हम बेहतर से बेहतर लीला का मंचन दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत कर सकें। इस बार की लीला में दशहरा महोत्सव में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। **मोहित गुप्ता**

**नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया**

सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब के द्वारा 77 वीं भव्य रामलीला का मंचन नरेला के रामलीला ग्राउंड में किया जा रहा है। आधुनिकता के दौर में मोबाइल टेक्नोलॉजी का जमाना है इसके बावजूद रामलीला मंचन को लेकर लोगों में उत्साह बरकरार है। इसकी बानगी नरेला में सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब के तत्वावधान में आयोजित भव्य रामलीला में देखने को मिल रही है। ऐतिहासिक सुभाष रामलीला में रोजाना हजारों की संख्या में राम भक्तलीला का आनंद ले रहे हैं। भव्य रामलीला के पांचवें दिन केवट प्रसंग, कैकई- भरत संवाद, चित्रकूट पर भरत मिलाप का मंचन किया गया। सुभाष रामलीला के उपप्रधान मोहित गुप्ता ने बताया कि यहां पिछले 76 वर्षों से भव्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है। लेकिन बार दर्शकों का उत्साह कहीं ज्यादा है। रोज हजारों लोग रामलीला देखने पहुंच रहे हैं। सुभाष रामलीला मे चित्रकूट पर भरत मिलाप, कैकई भरत संवाद ने दर्शकों को भावुक कर दिया। भरत मिलाप देख दर्शकों की आंखें भर आई। दर्शकों के मुंह से बरबस निकल पड़ा कि भाई हो तो भरत जैसा। पांचवे दिन की लीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी व नेवला छाप तंबाकू के ओनर अनिल गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि का पदाधिकारियों द्वारा पटका पहनाकर, प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

**भरत मिलाप का मंचन देख भर आई आंखें:**

राजकुमार भरत ने भाई राम को वन से वापस लाने की ठान ली। इसके बाद भरत शत्रुघ्न तीनों माताओं, गुरु वशिष्ट के साथ चित्रकूट धाम पहुंचे। राम भाई लक्ष्मण व सीता के साथ कुटिया में रह रहे थे। विशालकाय सेना के साथ भरत को देख पल भर के लिए लक्ष्मण क्रोधित हुए परंतु राम ने उन्हें शांत करा दिया। भगवान राम को वनवासी वेश में देख भरत पैरों में गिर पड़े। इसके बाद राम ने भरत को उठाते हुए गले से लगा लिया। राम भरत की आंखों से प्रेम के असुर बहने लगे। राम व भरत के भावुक मिलाप के दृश्य का मंचन देख दर्शकों की आंखें छलक आई। भगवान राम के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

पंडाल में बैठे दर्शकों के मुंह से बरबस निकल पड़ा कि भाई हो तो भरत जैसा। इस मौके पर सुभाष रामलीला के संरक्षक लोकेश गर्ग, संरक्षक मोहनपुरी, प्रधान विष्णु भारद्वाज, उप प्रधान धर्मपाल वर्मा, उपप्रधान मोहित गुप्ता, महासचिव संजय बंसल, सचिव संदीप मंगला, लेखाकार अनिल कुमार गर्ग, संगठन सचिव मुकेश बंसल, सुरेश गुप्ता ऑडिटर डॉ सचिन कौशिक व शुभम रोहिल्ला विशेष सलाहकार भारत भूषण शर्मा, मैदान पर्यवेक्षक जयपाल रोहिल्ला, रूपेश भारद्वाज, नितेश, नितिन कपूर, जोगिंदर भोरिया,धीरज पालीवाल, संदीप धनखड़, सुशील खत्री, यश स्वामी, समुंदर सिंह, मोहित गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

**सुभाष** रामलीला पूरी दिल्ली एनसीआर में प्रसिद्ध है ।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला मंचन के लिए सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब की पूरी टीम बधाई की पात्र है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सच व धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना। चाहिए प्रभु श्री राम सबका कल्याण करेंगे। **अनिल गुप्ता, प्रसिद्ध समाजसेवी**

**सुभाष** रामलीला ड्रामेटिक क्लब द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला का मंचन टीवी कलाकारों व विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। मैं प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि प्रभु श्री राम सभी के जीवन में खुशियां लाएं। साथ ही लीला देखने आए सभी राम भक्तों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। **संजय बंसल, महासचिव**

## आदर्श नगर रामलीलाः राम बारात, केवट संवाद का मंचन देख भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

### आदर्श नगर रामलीला मंचन में राम केवट संवाद सहित विभिन्न लीलाओ का मंचन किया गया, केवट संवाद प्रसंग का मंचन देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**आदर्श नगर** रामलीला मंचन में राम बारात, राम केवट संवाद सहित विभिन्न लीलाओ का मंचन किया गया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद डॉ. हर्षवर्द्धन ने भगवान राम और लक्ष्मण का पटका पहनाकर स्वागत किया। वहीं इसके उपरांत केवट संवाद प्रसंग का मंचन देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। उधर,

**मंचन**

**8 अपना परिचय दीजिए। प्रभु श्री राम ने केवट को अपना परिचय दिया तो केवट वहां से भाग कर दूर हो गया**

भगवान श्री राम सरयू नदी किनारे खड़े केवट से नदी पार करने के लिए नाव में बिठाने का आग्रह करने लगे। केवट प्रभु श्री राम के पास आया और बोला कि आप कौन हैं कहां से हैं और कहां जा रहे हैं। अपना परिचय दीजिए। प्रभु श्री राम ने केवट को अपना परिचय दिया तो केवट वहां से भाग कर दूर हो गया और कहा कि आप वही राम हैं जिनके छूते ही पत्थर की शिला आसमान में उड़ गई। मेरी नाव काठ की है यह तो छूमंतर हो जाएगी। मैं अपने परिवार का पालन पोषण कैसे करूंगा। उधर, अयोध्या में श्रीराम को छोड़ सुमंत जी के पहुंचते ही राम को वापस नहीं आने की खबर राजा दशरथ को मिलते ही राम राम कहते ही प्राण त्याग देते हैं जिसे देख दर्शक द्रवित हो गए। इसके बाद भरत, शत्रुघ्न ननिहाल से सूचना के बाद आयोध्या आते हैं।

## केवल पार्क रामलीलाः राम-केवट संवाद की रामलीला का हुआ मंचन

### केवट ने भगवान राम को सरयू नदी पार करवाई। केवट द्वारा श्रीराम की नैया पार कराने के दृश्य को देखकर दर्शक भावमुग्ध हो गए

**राघवेंद्र शर्मा, सचिवः** सभी को प्रभु श्रीराम के बताये हुए मार्ग पर चलना चाहिए और हमेशा ही सत्य का साथ देना चाहिए, जो व्यक्ति सत्य की राह पर चलता है, उसे एक दिन सफलता अवश्य ही प्राप्त होती है, इसलिए सभी सत्य की राह पर चले।

**नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया**

**रामलीला** के दौरान केवट और श्रीराम के प्रसंग का मंचन किया गया। केवट के सवालों का श्रीराम ने बखूबी जवाब दिया। केवट ने भगवान राम को सरयू नदी पार करवाई। केवट द्वारा श्रीराम की नैया पार कराने के दृश्य को देखकर दर्शक भावमुग्ध हो गए। रामलीला मंचन के दौरान पिता के वचन को पूरा करने के लिए भगवान राम जब वनवास जाने के लिए भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ निकलते हैं तो उन्हें सरयू नदी पार करनी पड़ती है। परिचय मिलने के बाद वह सबसे पहले प्रभु के चरणों में दंडवत प्रमाण करते हैं। इसके बाद वह केवट को राम के आने की सूचना देते हैं। अपने प्रभु के आने की सूचना मिलते ही केवट नंगे पांव प्रभु के पास जाते हैं। इस दौरान राम और केवट संवाद ने दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। जब भगवान श्रीराम लक्ष्मण और सीता सहित सरयू नदी के किनारे पहुंचे तो नदी पार करने के लिए उन्होंने केवट को बुलाया, लेकिन कोई भी उन्हें अपनी नाव में बैठाने के लिए तैयार नहीं था। जब भगवान ने इसका कारण पूछा तो उन्होंने बताया की जब आप के चरण छूने से पत्थर स्त्री बन सकता है तो हमारी नाव में बैठने से वह भी स्त्री बन जाएगी। तब हम लोग अपना गुजारा कैसे चलाएं। इस पर भगवान ने अपने पांव पखारने की इजाजत दे दी। बाद में जब केवट ने भगवान को नदी के पार पहुंचा दिया और भगवान मजदूरी देने लगे।

इस पर केवट ने यह कहते हुए मना कर दिया कि मैं एक मामूली केवट हूं जो लोगों को नदियां के पार कराता हूं। मगर आप तो दुनिया के तारणहार हैं। जब हम तुम्हारी शरण में आएं तो हमें पार लगा देना। इस दौरान भगवान श्रीराम और केवट के गीतों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। बाद राम, लक्ष्मण और सीता आगे की यात्रा के लिए निकलते हैं। दृश्य को इतनी संजीदगी के साथ प्रस्तुत किया गया कि दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। उधर, महानपुर, माढ़ा-पट्टी, मानू, थें में भी रामलीला देखने के लिए लोगों का सैलाब उमड़ रहा है। यहां भी राम वनवास और केवट द्वारा सरयू नदी पार करवाने का मंचन किया गया।

**अरूण गर्ग, सचिवः** केवल पार्क रामीलाल को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। केवल पार्क की रामीलीला आधुनिकता के साथ-साथ भव्यता का भी ख्याल रखा जाता है। मैं केवल पार्क रामलीला के पदाधिकारियों को बेहतरीन रामलीला प्रस्तुत करने के लिए बधाई देता हूं।